आर्यिका श्री १०५ निकलंकमति माता जी

छुआछूत की बात क्या? सुनो और तो और।
फरस रूप से शून्य हूँ, देखूं भोर विभोर।। ९६।।

आर्यिका श्री १०५ निकलंकमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी बबीता जी
पिता का नाम	:	श्री फूलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रेम बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सरोज २. श्रीमती उमा ३. श्री सुनील ४. आपका क्रम ५. श्री संजय
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१४-०१-१९६८, मंगलवार पौष शुक्ल १४ वि.सं. २०२४ रात्रि १२ बजे खिमलासा, जिला-सागर (म.प्र.) (बाद में खुरई में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाई स्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२३-०४-१९८५ खुरई, जिला-सागर(म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा, मढ़िया जी जबलपुर में।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर में।
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भतीजे मुनि श्री निराकुलसागर जी एवं चचेरी बहिन आर्यिका श्री विनीतमति माता जी हैं जो आपके ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ आगममति माता जी

कहीं कभी भी ना हुआ, नदियों का संघर्ष।
मनुजों में संघर्ष क्यों? दुर्लभ क्यों है हर्ष।। ७०।।

आर्यिका श्री १०५ आगममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुधा जी
पिता का नाम	:	श्री खेमचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती केशर बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री हेमचंद २. स्व. श्री टेकचंद ३. श्रीमती शशि ४. श्रीमती किरण ५. श्री अजित ६. आपका क्रम ७. श्री सुमत ८. श्रीमती सरोज ९. श्रीमती राजकुमारी १०. श्रीमती साधना ११. श्री दिलीप
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०६-११-१९६२, शुक्रवार, कार्तिक शुक्ल ५ वि.सं. २०१९, जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०७-१९८४ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, मढ़िया जी जबलपुर में।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर में।
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका आगममति जी, आर्यिका सौम्यमति जी आप दोनों गृहस्थ जीवन की बुआ भतीजी है एवं एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ स्वाध्यायमति माता जी

शास्त्र पठन जा, गुणन से निज में हम खो जाए।
कटि पर ना, पर अंक में, माँ के शिशु सो जायें।। ७०।।

आर्यिका श्री १०५ स्वाध्यायमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कुमकुम जी
पिता का नाम	:	श्री नेमीचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रकाश बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री विजय २. श्रीमती बैजयंती माला ३. श्री पवन ४. श्रीमती बीना ५. श्रीमती सुषमा ६. श्रीमती नीलम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	३०-०७-१९५९, श्रावण कृष्ण ४, बुधवार वि.सं.२०१९ मैनपुरी (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-१०-१९८४, दीपावली श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर में।
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, कुण्डलपुर जी, जिला - दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ नम्रमति माता जी

दृश्य नहीं दर्शन भला, ज्ञेय नहीं है ज्ञान।
और नहीं आतम भला, भरा सुधा मृत-पान।। ७२।।

आर्यिका श्री १०५ नम्रमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी इंद्रा जी
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती बेनी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.पदम चंद २. आपका क्रम ३. ऋषभ कुमार ४. अभिनंदन ५. श्रीमति रानी ६. आशीष
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०५-१२-१९६८, मंगलवार पौष कृष्ण १३/१४ वि.सं. २०२५, बन्ट, ललितपुर (उ.प्र.) (बाद में ललितपुर में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	इन्टरमीडिएट
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७ अतिशय क्षेत्र क्षेत्रपाल जी ललितपुर, उ.प्र.
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा सिंरोज (म.प्र.) में १८-०५-१९८७
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर में।
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ तपोमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका नम्रमति जी, आर्यिका अतुल मति जी, आर्यिका विनम्रमति जी आप तीनों गृहस्थ जीवन की चचेरी बहिनें हैं एवं आप तीनों एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

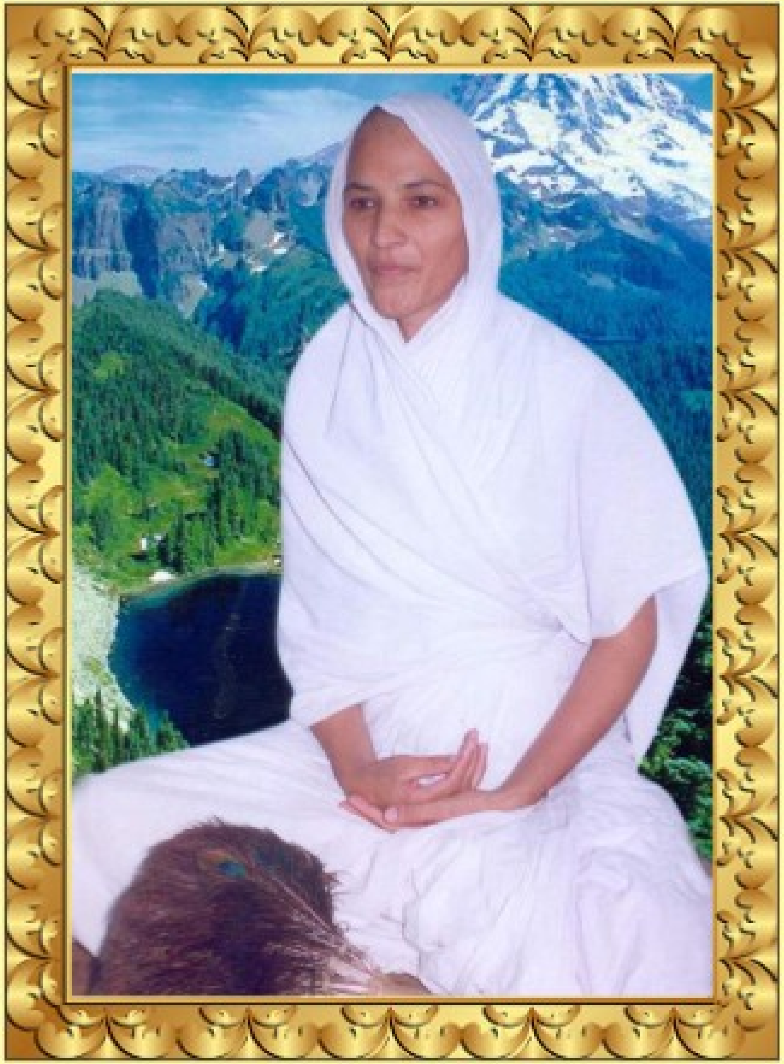

आर्यिका श्री १०५ विनम्रमति माता जी

समरस अब तो चख जरा, सब रस सम बन जाय।
नयनों उपनयन हो, हरा हरा दिख दिख जाए।। ७३।।

आर्यिका श्री 105 विनम्रमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी स्नेह जी
पिता का नाम	:	श्री राजकुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुशीला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.स्व.श्रीमती पुष्पलता २. आपका क्रम ३. श्रीमती ममता ४. श्री राजू ५. श्री प्रसन्न
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१६-१२-१९६८ रविवार, पौष कृष्ण ११ वि.सं. २०२५, बन्ट, ललितपुर (उ.प्र.) (बाद में ललितपुर में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ तपोमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका नम्रमति जी, आर्यिका अतुलमति जी, आर्यिका विनम्रमति जी आप तीनों गृहस्थ जीवन की चचेरी बहिनें हैं एवं आप तीनों एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

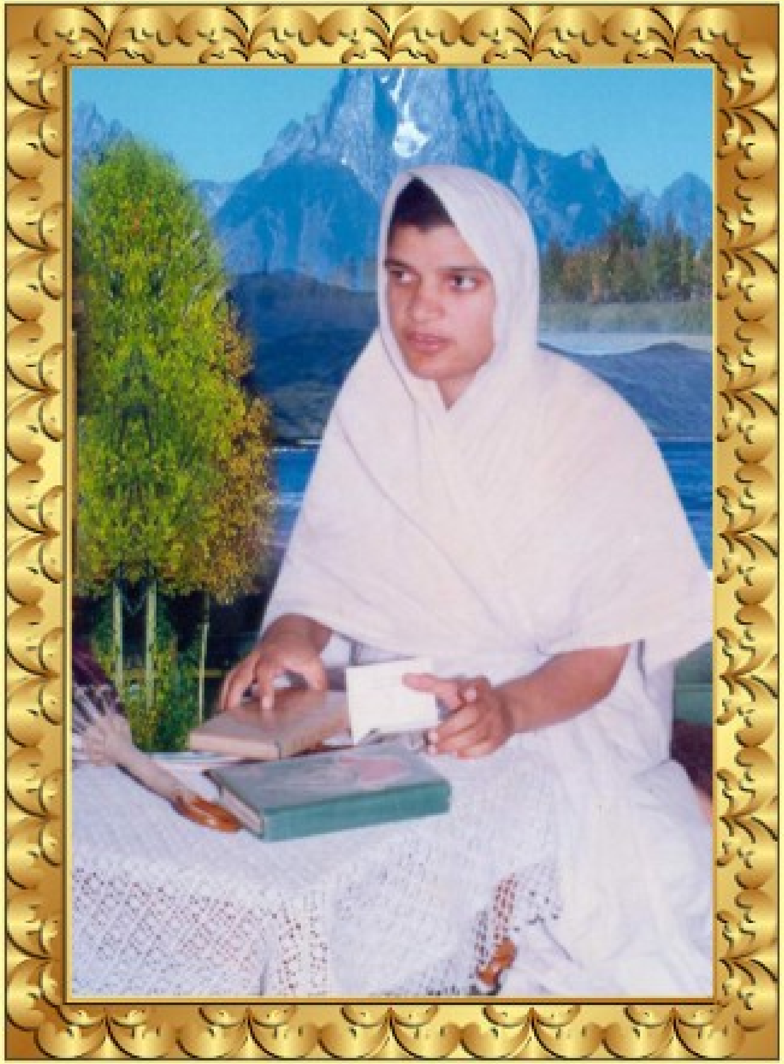

आर्यिका श्री १०५ अतुलमति माता जी

दूषण ना भूषण बनो बनो देश के भक्त।
उम्र बढ़े देश की, देश रहे अविभक्त।। ७९।।

आर्यिका श्री १०५ अतुलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुमन जी
पिता का नाम	:	श्री हीरालाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती अंगूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती किरण २. श्रीमति ज्योति ३. श्री जिनेन्द्र ४. आपका क्रम ५. श्री जसवंत ६. श्री ऋषभ ७. श्रीमती रेखा ८. श्री मनीष
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०२-१०-१९६८ बुधवार, आश्विन शुक्ल १३ वि.सं. २०२५ बन्ट, ललितपुर (उ.प्र.) (बाद में ललितपुर में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मिडिल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२४-०५-१९८७ रविवार वैशाख कृष्ण १२ क्षेत्रपाल जी, ललितपुर (उ.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, मुक्तागिरि जी, जिला - बैतूल (म.प्र.) सन् १९९१ में
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३, माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ तपोमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका नम्रमति जी, आर्यिका अतुलमति जी, आर्यिका विनम्रमति जी आप तीनों गृहस्थ जीवन की चचेरी बहिनें हैं एवं आप तीनों एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

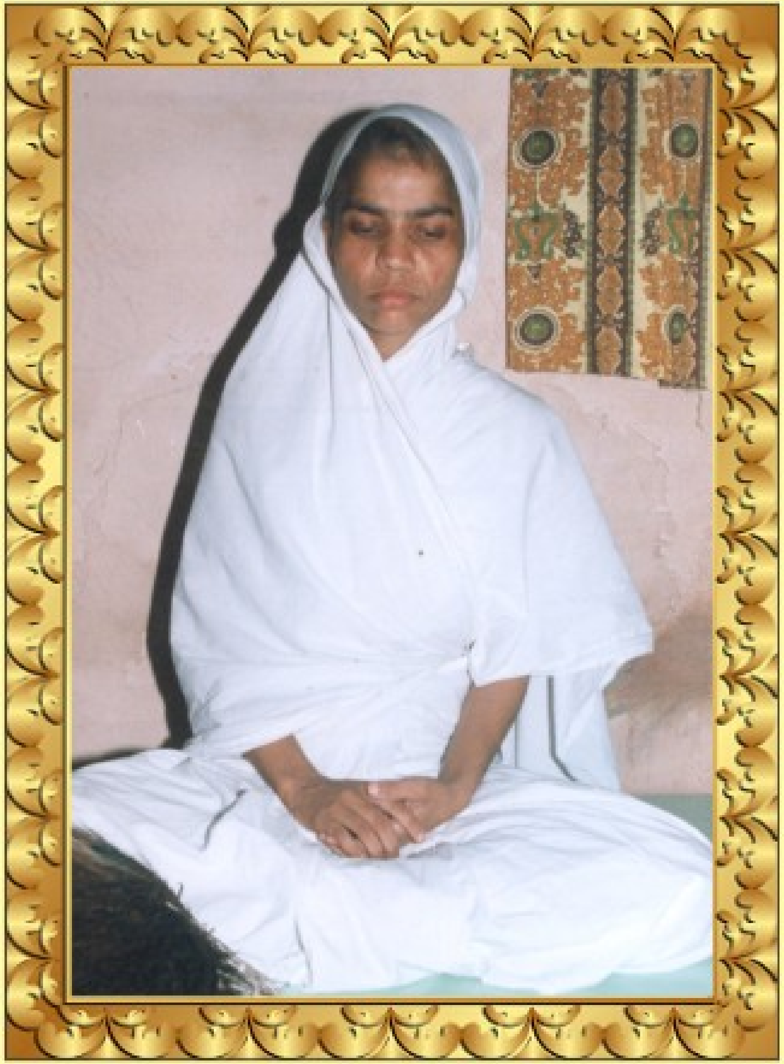

आर्यिका श्री १०५ विशदमति माता जी

सुधी पहिनता वस्त्र को, दोष छुपाने भ्रात।
किन्तु पहिन यदि मद करे, लज्जा की है बात।। ७४।।

आर्यिका श्री १०५ विशदमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुषमा जी
पिता का नाम	:	श्री कुंदन लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती लक्ष्मी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री जिनेन्द्र २. श्री महेन्द्र ३. श्री वीरेन्द्र ४. श्री राजेन्द्र ५. श्रीमति फमला ६. श्रीमति चंदा ७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०७-०३-१९६९, चैत्र कृष्णा ३ वि.सं. २०२५, रविवार, टीकमगढ़ (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाई स्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८६ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पपौरा जी, टीकमगढ़
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, कुण्डलपुर जी, जिला - दमोह (म.प्र.) १९९२
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर में।
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ पूर्णमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ पुराणमति माता जी

ज्ञानोदधि के मथन से, करूँ निजामृत-पान।
पार भवोदधि जा करूँ, निराकार का मान।। ७१।

आर्यिका श्री १०५ पुराणमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मालती जी
पिता का नाम	:	श्री जगन्नाथ प्रसाद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गेंदा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अभय जैन २. ब्र. संतोष भैया ३. श्रीमती मुन्नी बाई ४. आपका क्रम ५. श्री राजेन्द्र ६. श्री नरेन्द्र ७. श्री महेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२०-०८-१९६७ रविवार, श्रावण शुक्ल १५ रक्षाबंधन, वि.सं. २०२४ झलौन (बाद में जबलपुर) (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	प्राथमिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८२ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरिजी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, मढ़िया जी जबलपुर में।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	संघ प्रमुख
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ विनतमति माता जी

रही संपदा, आपदा, प्रभु से हमें बचाय।
रही आपदा संपदा, प्रभु से हमें रचाय।।५५।।

आर्यिका श्री 105 विनतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी उषा जी
पिता का नाम	:	श्री जिनेन्द्र कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री देवेन्द्र २. श्री रवीन्द्र
(जन्म के क्रम से)		३. श्रीमती प्रभा ४. श्रीमती सुशीला
		५. आपका क्रम ६. ब्र. मैना
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१९-०७-१९६३, शुक्रवार, श्रावण कृष्ण १४
दिन/स्थान/समय		वि.सं. २०२०, शिवपुरी (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (अंग्रेजी)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	अक्टूबर १९८७, थूवौन जी, गुना (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, थूवौन जी
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा , कुण्डलपुर जी, जिला - दमोह
आर्यिका दीक्षा	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी
		जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ प्रशांतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ विपुलमति माता जी

हित-मित-नियमित-मिष्ठ ही, बोल बचन मुख बोल।
वरना सब संपर्क तज, समता में जा खोल।। ७५।।

आर्यिका श्री १०५ विपुलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी आभा जी
पिता का नाम	:	श्री सुरेशचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती ममतारानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्रीमती विभा ३. श्रीमती निशा ४. श्रीमती नीतू ५. श्री अंशुल ६. श्रीमती श्वेता
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२०-०१-१९७०, मंगलवार, पौष शुक्ल-१३, वि.सं.२०२६, तेंदूखेड़ा, जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०२-०३-१९८९, गुरूवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कोनी जी जबलपुर में।
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, कुण्डलपुरजी, जिला - दमोह (म.प्र.) १९९२
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ पूर्णमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ मधुरमति माता जी

भार उठा दायित्व का, लिखा भाल पर सार।
उदार उर हो फिर भला, क्यों ना? हो उद्धार ।। ७६ ।।

आर्यिका श्री १०५ मधुरमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुषमा जी
पिता का नाम	:	श्री गोवर्धन जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गुणमाला जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री राजकुमार २. श्रीमति कल्पना ३. श्री राजेन्द्र ४. श्रीमति शिरोमणि ५. आपका क्रम ६. श्री संजीव ७. श्री ऋषभ
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०९-१०-१९६९, आश्विन शुक्ल ६/७, सोमवार, वि. सं.२०२४, गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-११-१९९१ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला- बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर में ०१-०६-१९९२
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर में।
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ पूर्णमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ प्रसन्नमति माता जी

आगम का संगम हुआ, महापुण्य का योग।
आगम हृदयगम तभी, निश्छल हो उपयोग।। ७७।।

आर्यिका श्री १०५ प्रसन्नमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी रेखा जी
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती श्रीमतीजी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री विनोद २. श्रीमती सुनीता
(जन्म के क्रम से)		३. श्री प्रमोद ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१७-०७-१९६, आषाढ़ शुक्ल ११, सोमवार
दिन/ स्थान/समय		वि. सं. २०२४ , गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. पूर्वार्द्ध
ब्रह्मचर्य व्रत	:	३१-०९-१९९०
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला- बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर में।
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	संघ प्रमुख
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ प्रशममति माता जी

अर्थ नहीं परमार्थ की, और बढ़े भूपाल।
पालक जनता के बनें, बनें नहीं भूचाल।। ७८।।

आर्यिका श्री १०५ प्रशममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सीमा जी
पिता का नाम	:	श्री नेमीचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कुसुम बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती निर्मला २. आपका क्रम ३. श्री राजेश ४. श्रीमती मनीषा ५. कु. नीतू ६. श्री नीरज
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१६-०८-१९६७, बुधवार, श्रावण शुक्ल ११, वि. सं. २०२४, गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२६-१०-१९९१ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला- बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.) ०६-०२-१९९२
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर में।
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अधिगममति माता जी

नहीं गुणों की गृाहिका, रही इन्द्रिया और।
तभी जितेन्द्रिय जिन बने, लखते गुण की ओर।। ८०।।

आर्यिका श्री १०५ अधिगममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी पुष्पा जी
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शकुन बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री विमल २. श्रीमती किरण ३.आपका क्रम ४. श्री विनोद ५. ब्र. चंदा दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२२-०१-१९६८, सोमवार, माघ कृष्ण ७ वि. सं. २०२४, अनन्तपुरा, जिला-सागर (म.प्र.) (बाद में नागपुर में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-११-१९८९, रविवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुरजी जिला - दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	०३-०९-१९९१ पहली, दूसरी प्रतिमा मुक्तागिर एवं तीन प्रतिमा २०-०१-१९९३ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ मुदितमति माता जी

सब सारों में सार है, समय-सार उरधार।
सारा सार सार सो, विसार तू संसार।। ८१।।

आर्यिका श्री १०५ मुदितमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी प्रमिला जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री नन्नूलाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती भंवरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री ज्ञानचंद २. श्रीमती पुष्पा ३. श्रीमती सीता ४. श्री महेश ५. श्रीमती गुणमाला ६. श्रीमती निर्मला ७. आपका क्रम ८. श्रीमती रंजना ९. श्री मनोज
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२६-०९-१९६४ आश्विन कृष्ण ५ वि.सं. २०२१ शाढ़ौरा, जिला- गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. फाइनल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-११-१९९० श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला- बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुरजी, जिला - दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ सहजमति माता जी

साक्षी बनकर विषय का, करते मुनिवर भोग।
पूर्व कर्म की निर्जरा, हो तब शुचि उपयोग।।

आर्यिका श्री १०५ सहजमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणि शिरोमणी जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री नेमीचंद जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती लक्ष्मी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री महेन्द्र २. श्री देवेन्द्र ३. श्री जयकुमार ४. श्री राजकुमार ५. श्री मनीष ६. श्रीमती अनीता ७. श्रीमती ममता ८. श्रीमती अर्चना ९. आपका क्रम १०. बा.ब्र. सरिता (वर्तमान में आ. धवलमति माता जी)
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२५-०६-१९७२, ज्येष्ठ शुक्ल १४ सं.२०२९, रविवार पथरिया जिला- दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. द्वितीय वर्ष
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१२-०६-१९८८ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर में।
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.) ०८-०२-१९९२।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपकी गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री१०५ धवलमति माता जी है जो आपके ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ अनुगममति माता जी

दास दास ही न रहे, सदा-सदा का दास।
कनक कनक पाषाण हो, ताप मिले प्रभु पास।। ९७।।

आर्यिका श्री १०५ अनुगममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मंजू जी
पिता का नाम	:	श्री कोमलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती निर्मला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. पुष्पा दीदी २. श्री सुरेन्द्र ३. आपका क्रम ४. आजाद कुमार
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१९७० बीना जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाई स्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७ ललितपुर (उ.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुरजी, जिला - दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ तपोमतिमाता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के चचेरे भाई मुनि श्री १०८ विमलसागर जी महाराज है जो आपके गुरू से ही दीक्षित है।

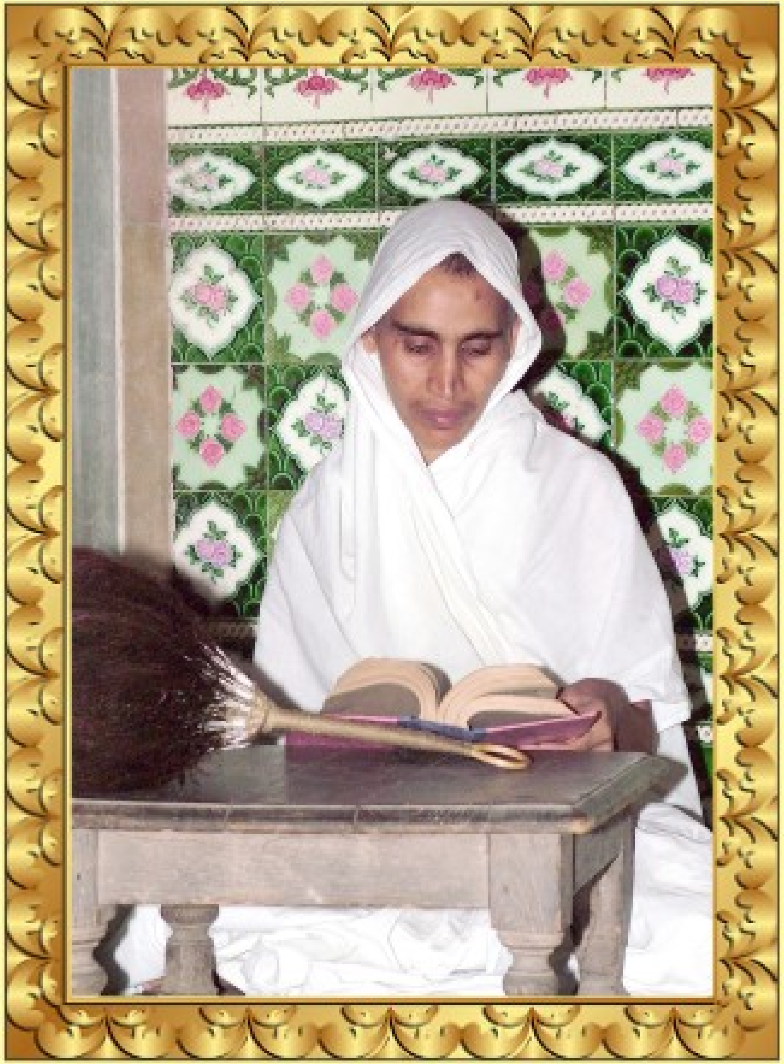

आर्यिका श्री १०५ अमंदमति माता जी

सागर सम गंभीर बनैं, बनू चन्द्र-सम शान्त।
गगन तुल्य स्वाश्रित रहूँ, हरूँ दीप सम ध्वांत।। १।।

आर्यिका श्री १०५ अमंदमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मंजू जी
पिता का नाम	:	श्री प्रकाशचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कुसुम बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री संतोष २. श्रीमती रानी ३. आपका क्रम ४. श्री विजय ५. श्रीमती सुनीता ६. श्रीमती वंदना ७. श्री राकेश ८. श्री मुकेश
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२५-०९-१९६९, गुरुवार भाद्रपद शुक्ल १५ वि.सं. २०२६ मुंगावली, जिला- गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७ थूवौन जी गुना (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अभेदमति माता जी

चिर संचित सब कर्म को, राख करूँ बन आग।
तप्त आत्म को शान्त भी, करूँ बनूँ गतराग।। २।।

आर्यिका श्री १०५ अभेदमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अनीता जी
पिता का नाम	:	श्री धर्मचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुलोचना बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुधा २. श्रीमती मंजू ३. बा.ब्र. सुनीता दीदी (वर्तमान में आ. श्री अखंडमति माता जी) ४. आपका क्रम ५. श्री प्रदीप जैन ६. बा.ब्र. रविता दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०१-०७-१९७२, शनिवार आषाढ़ कृष्ण ५ वि.सं. २०२९ गोटेगाँव, जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	माध्यमिक/नवमीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०७-१९८५
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा १९-०६-१९९७ नेमावर, पाँच प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुरजी, जिला- दमोह (म.प्र.) १९९० सात प्रतिमा भाग्योदय तीर्थ सागर
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आ. अभेदमति माता जी एवं आ. अखण्डमति जी आप दोनों गृहस्थ जीवन की बहिनें है और एक ही गुरू से दीक्षित है।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ एकत्वमति माता जी

हर बार बदल देता मधुवन, हर बाद नगरिया बदली है।
हर बार कफनिया के धागे, हर बार चंदरिया बदली है।।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ एकत्वमति माता जी

पूर्व का नाम :	ब्रह्मचारिणी अंगूरी जी
पिता का नाम :	स्व. श्री कंछेदी लाल जी जैन
माता का नाम :	स्व. श्रीमती तेजा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम :	१. स्व. श्रीमती फूल बाई २. श्रीमती गेंदा बाई
(जन्म के क्रम से)	३. श्रीमती क्रांति बाई ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ :	१५-०१-१९५२, मंगलवार माघ कृष्ण ३ वि.सं. २००८
दिन/स्थान/समय	नई गड़िया, बेगमगंज, जिला रायसेन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक) :	छटवीं
ब्रह्मचर्य व्रत :	१९८१
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ) :	सात प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पपौरा जी जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा :	२५-०१-१९९३, माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु :	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष :	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।
समाधि :	०१-१२-२००१, शाम ५:४५ बजे मार्गशीर्ष कृष्ण ११ वि.सं. २०५८ भोपाल (म.प्र.)

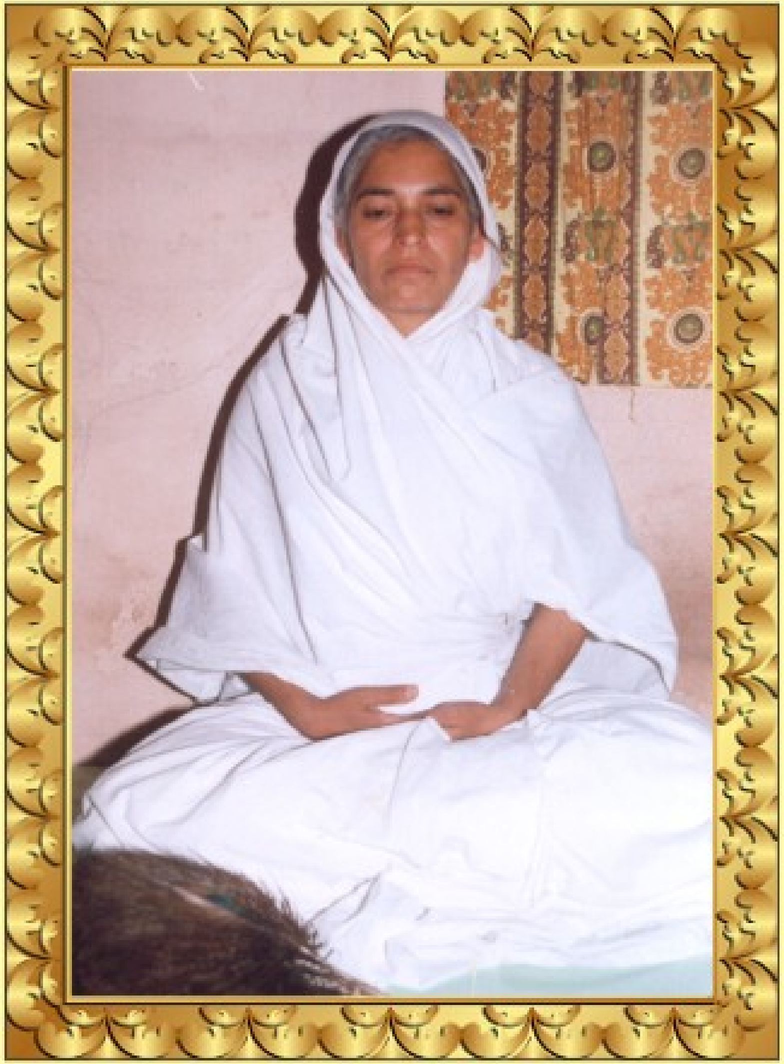

आर्यिका श्री १०५ कैवल्यमति माता जी

रस से रीता हूं रहा, ममता की ना गन्ध।
सौरभ पीता हूँ सदा, समता का मकरन्द ।। ९९ ।।

आर्यिका श्री १०५ कैवल्यमति माता जी

पूर्व का नाम :	बाल ब्रह्मचारिणी कुसुम जी (दानी)
पिता का नाम :	स्व. श्री मुलायम चंद जी जैन (दानी)
माता का नाम :	श्रीमती पम्मी बाई जी जैन (दानी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से) :	१.श्री कमल २. श्री अशोक ३. श्रीमति शकुन ४. आपका क्रम ५. श्री राकेश ६. ब्र. अनीता (वर्तमान में आर्यिका श्री शुभ्रमति माता जी)
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय :	०६-०७-१९६२, आषाढ़ शुक्ल ४, वि. सं. २०१९, मंगलवार, गोटेगाँव, जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक) :	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान :	१२-१२-१९८५ अहार जी में महावीर भगवान के निर्वाण दिवस पर श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र आहार जी टीकमगढ़ (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ) :	एक प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.) १९८९
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान :	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर में।
दीक्षा गुरु :	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ :	आर्यिका श्री १०५ पूर्णमति माता जी
विशेष :	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका कैवल्यमति जी और आर्यिका शुभ्रमति जी आप दोनों गृहस्थ जीवन की बहिनें हैं और आप दोनों एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

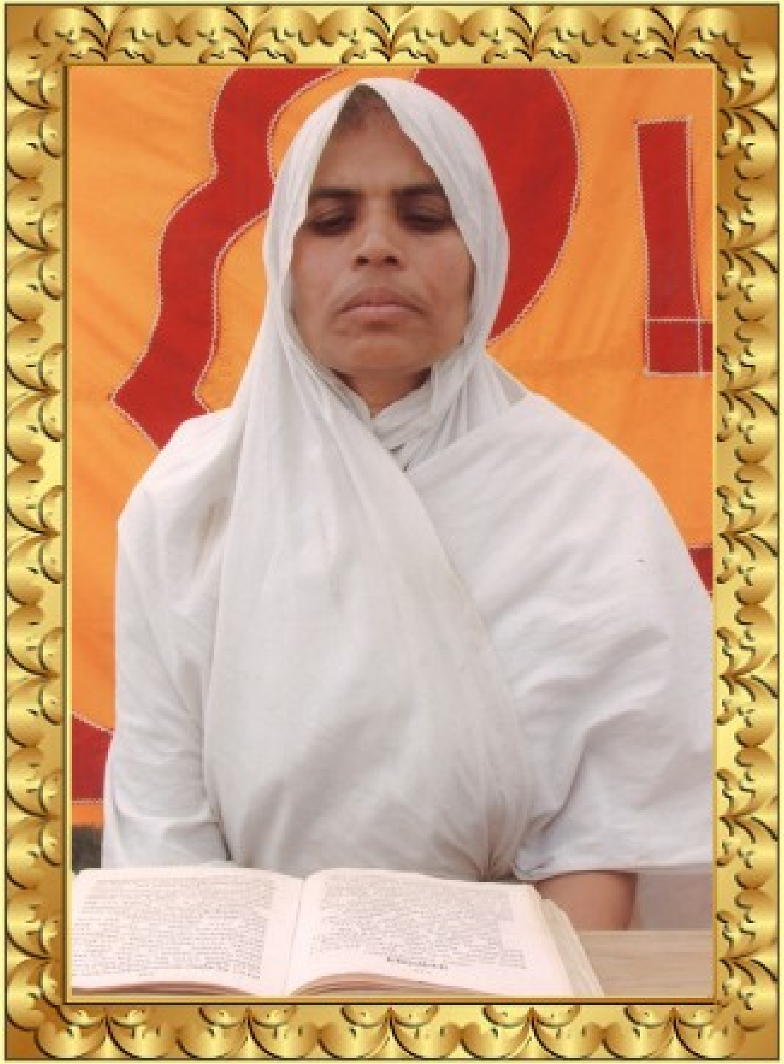

आर्यिका श्री १०५ संवेगमति माता जी

तव-मम तव-मम कब मिटे, तरतमता का नाश।
अन्धकार गहरा रहा, सूर्योदय ना पास ।। १०० ।।

आर्यिका श्री १०५ संवेगमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी स्नेह जी
पिता का नाम	:	श्री साधुलाल जी जैन (दानी)
माता का नाम	:	श्रीमती जगरानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुभाष २. श्रीमती सरस्वती ३. श्रीमती विद्या ४. श्री जिनेन्द्र ५. श्रीमती माया ६. श्रीमती ममता ७. श्री धर्मेन्द ८. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१९६६ गोटेगाँव, जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	गोटेगाँव, जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	१८-०२-१९८९ बुधवार
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमतिमाता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ निर्वेगमति माता जी

नमूं भारती भ्रम मिटे, ब्रह्म बनूं मैं बाल।
भार रहित भारत बने, भास्वत भारत भाल।। ३।।

आर्यिका श्री १०५ निर्वेगमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी विनीता जी
पिता का नाम	:	श्री शिखरचंद जी जैन (दानी)
माता का नाम	:	श्रीमती ममता रानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति अनीता २. आपका क्रम ३. बा.ब्र. मीनू दीदी (वर्तमान में आर्यिका निकटमति माता जी) ५. श्री सुदीप ६. श्री सोनू
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०१-०७-१९७२, आषाढ़ शुक्ल ५, वि. सं. २०२९, शनिवार, जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-१९८९, गोटेगाँव जिला नरसिंहपुर म.प्र. श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	नहीं ली
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री १०५ निर्वेगमति जी एवं आर्यिका श्री १०५ निकटमति जी आप दोनों गृहस्थ जीवन की बहिनें है एवं एक ही गुरू से दीक्षित हैं

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ निर्वाणमति माता जी

जिन शिव सूरि श्रुती श्रमण, जैन धर्म जिन बैन।
चैत्य-चैत्यगृह देव नव, नमूँ जैन दिन रैन।।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ निर्वाणमति माता जी

पूर्व का नाम	:	श्रीमती शांति बाई जी जैन
पिता का नाम	:	श्री
माता का नाम	:	श्रीमती
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती ४.
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	सन् १९१४ सुकंली (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	प्रायमरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-०८-१९९३ गुरुवार प्रथम भाद्रपद शुक्ल २ वि.सं.२०५०
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
संघस्थ (पूर्व में)	:	
विशेष	:	
समाधि	:	२१-०८-१९९३ प्रथम भाद्र शुक्ल चतुर्थी शनिवार वि.सं. २०५० प्रात: ५:५५ बजे
	:	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक, नागपुर (महा.) (७९ वर्ष की उम्र में समाधि हुई)

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ शांतिमति माता जी

वीतराग नव देव ही, शाश्वत सुख आधार।
इनकी पूजा भक्त को, करती भवदधि पार।।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ शांतिमति माता जी

पूर्व का नाम	:	श्रीमती मैनाबाई जी जैन
पति का नाम	:	श्री हजारी लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	सन् १९०७ पनागर जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	दूसरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	उत्फत राव बाबा जी से
क्षुल्लिका दीक्षा	:	आचार्य श्री सुमति सागर जी से थूबौन जी में
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-०८-१९९३ रविवार भाद्रपद शुक्ल ५/६ वि.सं. २०५०, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
संघस्थ (पूर्व में)	:	
विशेष	:	
समाधि	:	२१-०९-१९९३, मंगल द्वितीय भाद्रपद शुक्ला ६ वि.सं. २०५० मंगलवार को रात्रि १०:५०
	:	श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महा.)

आर्यिका श्री १०५ सूत्रमति माता जी

एक साथ सब कर्म का, उदय कभी ना होय।
बूंद-बूंद फर बरसते, घन, वरना सब खोय।। २०।।

आर्यिका श्री १०५ सूत्रमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सोना जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री हल्कूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मथुरा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री नन्हेलाल २. श्रीमति गुणमाला ३. श्री सनत ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०१-०७-१९६८, भाद्र कृष्ण १२, वि. सं. २०२५, सोमवार, बंडा बेलई, जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०४-१९८७ पिपरिया,तह.-बंडा, जिला-सागर,म.प्र.
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मांगीतुंगी जी में १९९७,नासिक (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भतीजे मुनि श्री १०८ नीरोगसागर जी है, आर्यिका श्री १०५ कर्तव्यमति जी है आप दोनों चचेरी बहिनें हैं एवं आप सभी एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ सुनयमति माता जी

मन्द-मन्द मुस्कान ले, मानस हंसा होय।
अंश अंश प्रतिअंश में, मुनिवर हंसा मोय ।। ८६ ।।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ सुनयमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी लक्ष्मी जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री चंद्रसेन जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती शांति बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुमिता २. श्री सुरेशचंद्र ३.स्व. श्री मोहनलाल ४. श्रीमती विमला ५.श्रीमती सुनीता ६.श्री सुनील ७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.द्वितीय वर्ष
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०८-१९८०, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरीजी, जिला - बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुरजी, जिला - दमोह (म.प्र.) १९८०
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	२९-१२-२०१९ रविवार, पौष शुक्ल ३ वि.सं. २०२६, भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ सकलमति माता जी

सन्त पुरुष से राग भी, शीघ्र मिटाता पाप।
उष्ण नीर भी आप को, क्या न बुझाता आप।। ९४।।

आर्यिका श्री १०५ सकलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी आशा जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री हजारीलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गिरजा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. स्व. श्री इमरती बाई २. श्रीमती काशी बाई ३. स्व. श्री विनीत ४. श्रीमती तारा बाई ५.स्व. श्री संतोष ६. श्री कस्तूरचंद ७. श्रीमती भारती ८. ब्रा.ब्र. कमलेश (वर्तमान में आर्यिका सत्यमति जी) ९. श्रीमती राजकुमारी १०. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	११-०२-१९६६, फाल्गुन कृष्ण ४, वि. सं.२०२३, बुधवार रात्रि ८:०० बजे हिनोती जिला- दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मैट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८३, ईसरी (झारखंड)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला - दमोह (म.प्र.) १९८९
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	संघ प्रमुख
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आ. श्री १०५ सत्यमतिमाता जी है। आप दोनों एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ सविनयमति माता जी

खुला खिला हो कमल वह, जब लौं जल संपर्क।
छूटा सूखा धर्म बिन, नर पशु में ना फर्क।। ८५।।

आर्यिका श्री १०५ सविनयमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मीना जी
पिता का नाम	:	श्री खेमचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती उजियारी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री शिखर चंद २. श्री खुशाल ३. श्री कैलाश ४. श्री प्रकाश ५. श्री केवलचंद ६. मिठ्ठू लाल ७. श्रीमती सुशील ८. विमला ९. सुलोचना १०.मनोरमा ११. इंदिरा १२. माधुरी १३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१९६९ शाहपुर, जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	माध्यमिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८६,शाहपुर जिला - सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र गिरनार जी (गुजरात) १९९२
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री १०५ वृषभमति जी आपके गृहस्थ जीवन की बहिन है। (आर्यिका श्री १०५ विज्ञानमति जी के संघ में दीक्षित)

आर्यिका श्री १०५ सतर्कमति माता जी

दिखा रोशनी रोष ना, शत्रु मिल बन जाय।
भोवों का बस खेल है, शूल फूल बन जाय।। १०।।

आर्यिका श्री १०५ सतर्कमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सरिता जी
पिता का नाम	:	श्री हुकुमचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती समुद्री बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती आशा, २. श्रीमती ऊषा, ३. श्रीमती राजकुमारी, ४. श्रीमती सविता, ५. आपका क्रम, ६. राकेश, ७. राजेश, ८. मनीष
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	अप्रैल १९६९ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८८, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कोनी जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.) १९९२
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ पूर्णमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ संयममति माता जी

पारस मणि के परस से, लोह हेम बन जाए।
पारस के तो दरश से, मोह क्षेम बन जाए।। ८।।

आर्यिका श्री १०५ संयममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ममता जी
पिता का नाम	:	श्री राजाराम जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चिरोंजा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्री सुरेन्द्र २. बा.ब्र. प्रवीण जी (वर्तमान में मुनि समता सागर जी) ३. श्रीमती माया ४. बा.ब्र. सुनीता (आ. श्री स्वभावमति माता जी) ५. बा.ब्र. बबीता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१९६७ नन्हीं देवरी, जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८५ खुरई जिला-सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा श्री सिद्ध क्षेत्र तारंगा जी
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भाई मुनि श्री १०८ समतासागर जी एवं बहिन आर्यिका श्री १०५ स्वभावमति जी हैं, जो आपके गुरु से ही दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ समयमति माता जी

तारथ जिसमें अघ घुले, मिलता भव का तीर।
कीरत जग भर में घुले, मिटती भव की पीर।। ९७।।

आर्यिका श्री १०५ समयमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी नंदिनी जी
पिता का नाम	:	श्री जमुना प्रसाद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती विजय रानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री संतोष २. श्री विमल ३. श्री वीरेन्द्र ४. श्री राजेन्द्र ५. श्रीमति नीलम ६. श्रीमति निरंजना ७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०१-०१-१९६७, मार्गशीर्ष कृष्ण ५, वि. सं. २०२३, शनिवार बीना (इटावा) जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. द्वितीय वर्ष
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७ ललितपुर (उ.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.) १९९३
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ शोधमति माता जी

नमूं भारती तारती, उतारती उस तीर।
सुधी उतारे आरती, हरती खलती पीर।।५।।

आर्यिका श्री 105 शोधमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी शशि जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री हरीशचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कपूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.पुष्पा २. किरण ३. सुमन ४. आपका क्रम ५. करूणा ६. शांत कुमार ७. नीलम ८. मीना ९. श्रेयांस कुमार
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१९-०९-१९६४, शनिवार भाद्रपद शुक्ल १३, वि.सं. २०२१ नौगाँव जिला- छतरपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. तृतीय
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२७-१०-१९, मंगलवार श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र, थूवौन जी गुना (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.) १९९२
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ शुक्रवार श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ शाश्वतमति माता जी

कौरव ख ख में गए, पाण्डव क्यों शिव धाम।
स्वार्थ तथा परमार्थ का, और कौन परिणाम।। ७।।

आर्यिका श्री १०५ शाश्वतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कामिनी जी
पिता का नाम	:	श्री कमलकुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती किरण जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्रीमति कविता २. श्री सुधीर ३. आपका क्रम ४. अमित
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२२-०७-१९७२, आषाढ़ शुक्ल १ वि. सं. २०२९ शनिवार, जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९९० श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, मुक्तागिरी जी बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र गिरनार जी जिला-जूनागढ़, (गुजरात) १९९६ में।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री 105 सरलमति माता जी

दीनों के दुर्दिन मिटे, तुम दिनकर को देख।
सोया जीवन जागता, मिटता अघ अविवेक।।6।।

आर्यिका श्री १०५ सरलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अनीता जी
पिता का नाम	:	श्री केवलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री राजकुमार २. आपका क्रम ३. श्री चन्द्रेश ४. ब्र. संगीता (वर्तमान में आर्यिका श्री शीलमति माता जी है)
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१८-०७-१९६६, सोमवार, प्रथम श्रावण कृष्ण १, वि. सं. २०२३, प्रातः ९ बजे, गुना (म.प्र.),
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-०४-१९९१, शुक्रवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, मुक्तागिरी जी बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात, कुण्डलपुर दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ ऋजुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री शीलमति माता जी है आप दोनों एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री 105 शीलमति माता जी

सुर नर यति पति पूजते, सुध बुध सभी विसार।
गुरू गौतम गणधर नमूं, उमंग से उर धार।। ४।।

आर्यिका श्री 105 शीलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी संगीता जी
पिता का नाम	:	श्री केवलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री राजकुमार जी २. ब्र. अनीता (सरलमति माताजी) ३. श्री चन्द्रेश जी ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२२-१२-१९७२, पौष कृष्ण २/३, वि. सं. २०२९, शुक्रवार, रात्रि १२ बजे, जिला- गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१२-०६-१९९१, सोमवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, मुक्तागिरी जी बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	१९९५, चार प्रतिमा, कुण्डलपुर, दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ ऋजुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका सरलमति माता जी है जो आपके ही गुरू से दीक्षित है।

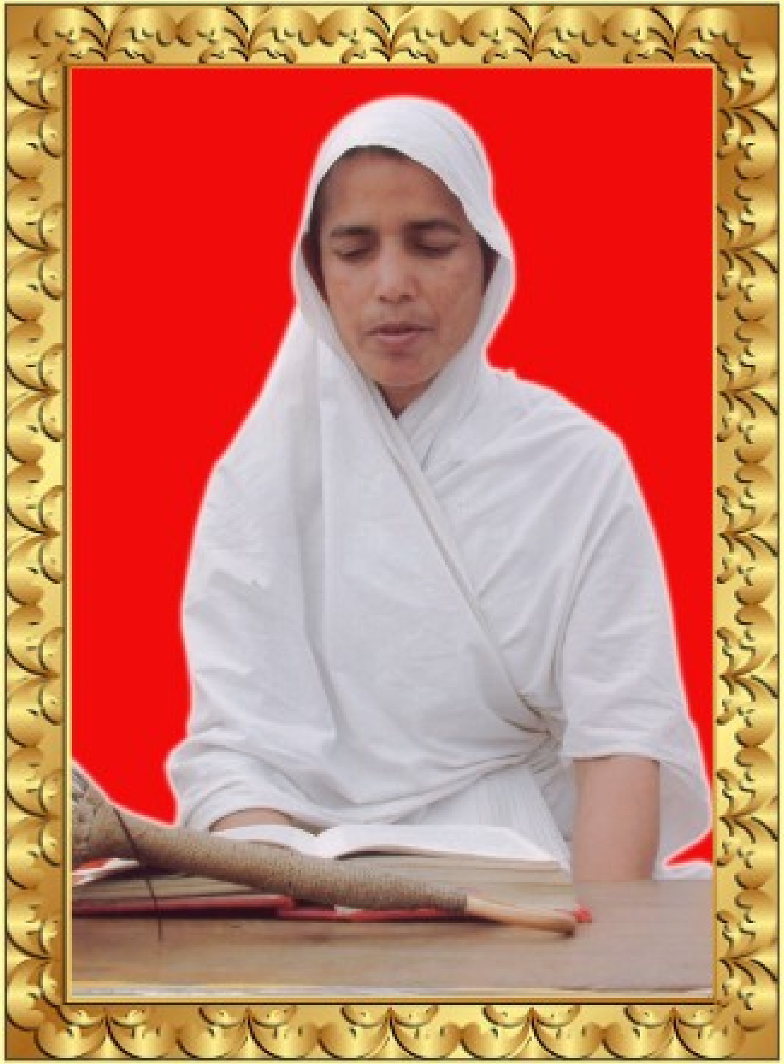

आर्यिका श्री 105 सुशीलमति माता जी

भार रहित मुझ भारती, कद दो सहित सुमाल।
कौन संभाले माँ बिना, माँ! यह है वाल।। ३२।।

आर्यिका श्री १०५ सुशीलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुषमा जी
पिता का नाम	:	श्री धर्मचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गेंदा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति अजंता २. श्री दिनेश ३. श्रीमति सुमन ४. श्रीमतिबेबी ५. आपका क्रम ६. श्री धन्य कुमार ७. श्री सुकुमाल
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१२-०६-१९६४, ज्येष्ठ शुक्ल ३, वि. सं. २०२१ शुक्रवार चरगुंवा, जिला- जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. अर्थशास्त्र
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-०६-१९९० श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुरजी, जिला - दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र गिरनार जी १९९६
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री 105 शैलमति माता जी

शत-शत सुर-नर-पति करें, वंदन शत-शत बार।
जिन बनने जिन चरण रज, लूँ मैं सिर पर सार।। ३।।

आर्यिका श्री १०५ शैलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी विनीता जी
पिता का नाम	:	श्री रामगोपाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती बेनी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री अभय २. श्रीमती अनीता ३. आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		४. श्रीमती आभा ५. श्री अरूण ६. श्रीमती अंजू
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०३-१०-१९६८, आश्विन शुक्ल १२, वि. सं. २०२५
दिन/स्थान/समय		गुरुवार बरेला, जिला- जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी. ए. प्रथम वर्ष
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२७-१२-१९९० गुरूवार, पौष शुक्ल ११
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी
		जिला- नागपुर (महाराष्ट्र)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
		मांगीतुंगी जी (महाराष्ट्र) 1997
आर्यिका दीक्षा	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र
		नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री 105 प्रशांतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री 105 शीतलमति माता जी

तन की गरमी तो मिटे, मन की भी मिट जाए।
जहां पर उभय सुख, अमिट अमित मिल जाय।। ९१।।

आर्यिका श्री १०५ शीतलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुनीता जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री जानकी प्रसाद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती नत्थी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री कोमलचंद २. श्रीमती अनंतकुमारी ३. श्री वीर कुमार ४. श्री ऋषभ कुमार ५. आपका क्रम ६. श्री प्रकाशचंद ७. श्री बालचंद
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१७-०७-१९७०, शुक्रवार, आषाढ़ शुक्ल १३/१४, वि.सं. २०२७ शाहगढ़ (बाद में बंडा बेलई) जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी. ए. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२७-०३-१९८७ बंडा, जिला सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र गिरनार जी, जिला- जूनागढ़ (गुजरात)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री 105 श्वेतमति माता जी

अंत किसी का कब हुआ, अनंत सब ये सन्त।
मिटता सा लगे, पतझड़ पुनः बसन्त।। ६०।।

आर्यिका श्री १०५ श्वेतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अनीता जी
पिता का नाम	:	श्री धनपाल जी जैन (मेहता)
माता का नाम	:	श्रीमती कंचनबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती इन्द्रा २. श्री राजेन्द्र ३. श्री कमलेश ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०२-०२-१९७१, सोमवार, माघ शुक्ल ७, वि. सं. २०२७, बागीदौरा, जिला- बांसवाड़ा (राजस्थान)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	ए.टी.सी. शिक्षिका
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८९, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुरजी, जिला - दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.) 1994
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री 105 सारमति माता जी

क्रूर भयानक सिंह भी, फना उठाने नाग।
तीर्थ जहाँ पर शान्त हो, लपटों वाली आग।

आर्यिका श्री १०५ सारमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ममता जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री लक्ष्मीचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. स्व. श्री विजय २. श्रीमती राजकुमारी ३. श्री महेन्द्र ४. स्व. देवकुमारी ५. श्रीमती चमेली ६. श्रीमती मालती ७. श्री ऋषभ ८. श्रीमती माला ९. श्री राजेश १०. श्रीमती माधु ११. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२८-०६-१९७१, आषाढ़ शुक्ल ६, वि.सं. २०२८, सोमवार डोंगरगाँव जिला-राजनांदगाँव (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए., एल.एल.बी. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९९२, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मांगीतुंगी जी, नासिक (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री 105 गुरुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

समाधिस्थ आर्यिका श्री 105 सत्यार्थमति माता जी

संग रहित बस! अंग है, यथा जात शिशु ढ़ंग।
श्रमण जिन्हें मम् नमन हो, मानस में न तरंग।।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ सत्यार्थमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुनीता जी
पिता का नाम	:	श्री कपूरचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चंदा बाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती अर्चना जैन २. श्रीमती अनीता जैन ३. आपका क्रम ४. श्रीमती अलका जैन ५. श्रीमती कविता जैन ६. श्री रविकांत जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१२-०२-१९७४, माघ कृष्ण ६, वि.सं. २०३०, मंगलवार, कटनी (म.प्र.) (बाद में नागपुर)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मैट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०२-०१-१९८९, अतिशय क्षेत्र पनागर जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.) १९९०
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।
समाधि	:	०४-०१-२०२१ सोमवार, पौष कृष्ण ६ वीर निर्वाण संवत् २५४७ वि.सं. २०७७, जबलपुर (म.प्र.)

आर्यिका श्री 105 सिद्धमति माता जी

क्या था, क्या हूँ, क्या बनूँ? रे मन! अब तो सोच।
वरना मरना वरण कर, बार-बार अफसोस।।

आर्यिका श्री १०५ सिद्धमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ज्योति जी
पिता का नाम	:	श्री बसंत कुमार जी दरबार जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती राजकुमारी जी दरबार जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अनिल २. श्री सुनील ३. आपका क्रम ४. श्रीमती दीपा ५. श्री सुशील ६. श्री सुधीर
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२४-०१-१९७२, पौष कृष्ण १२, वि. सं. २०२७, रविवार, विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (अर्थशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२६-१०-१९९१, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी (०६-०२-१९९२ श्वेत वस्त्र)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मुक्तागरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा बड़ोदरा गुजरात में १६-०१-१९९७
आर्यिका दीक्षा	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री 105 सुसिद्धमति माता जी

पुनः भस्म पारा बने, मिले खटाई योग।
बनो, सिद्ध पर मोह तज, करो शुद्ध उपयोग।।८९।।

आर्यिका श्री १०५ सुसिद्धमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी वंदना जी
पिता का नाम	:	श्री शीतल चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुदर्शन २. श्री सुरेश ३. श्री नरेन्द्र ४. श्रीमति अंजना ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१२-२-१९७०, माघ शुक्ल ७, गुरुवार, वि. सं. २०२६ शहपुरा (भिटौनी), जिला- जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (अर्थशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-०६-१९९०, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी नागपुर (महाराष्ट्र) में १९९४
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री 105 विशुद्धमति माता जी

काया का कायल नहीं, काया में हूँ आज।
कैसे काया कल्प हो, ऐसा कर तप काज ।।

आर्यिका श्री 105 विशुद्धमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी पुष्पलता जी
पिता का नाम	:	श्री सुरेश चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सविता २. श्रीमती अभिलाषा ३. श्रीमती हेमलता ४. आपका क्रम ५. श्री नीलेश ६. श्रीमती रीना ७. श्रीमती रीना ८. श्रीमती रेखा ९. कु. रिंकी १०. श्री अमित
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१६-०८-१९७५, श्रावण शुक्ल १०, वि. सं. २०३२, शनिवार केवलारी जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	जनवरी १९९२, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सिद्धवर कूट जी खण्डवा (म.प्र.) में १५-०५-१९९७
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ प्रशांतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ साकारमति माता जी

तभी शूल तब शूल हो, पूजन साधन सार।
सत संयति का फल मिले, भव सागर पार।।

आर्यिका श्री १०५ साकारमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी आशा जी
पिता का नाम	:	श्री भागचंद जी जैन (सब इंजीनियर)
माता का नाम	:	श्रीमती विमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्रीमती अर्चना ३. डॉ. बा.ब्र. नीलम जी ४. श्री जितेन्द्र ५. श्रीमती नेहा
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२३-०८-१९६९, शुक्रवार श्रावण शुक्ल १०/११ वि.सं. २०२६, जैतपुर जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (संस्कृत), एम.कॉम., प्राकृतिक चिकित्सा कोर्स
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-०९-१९९१, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी नागपुर (महाराष्ट्र) १९९४
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल 1 वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ सौम्यमति माता जी

थक जाना ना हार है, पर लेना है श्वास।
रवि निशि में विश्राम ले, दिन में करे प्रकाश।।

आर्यिका श्री १०५ सौम्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी स्वाति जी
पिता का नाम	:	श्री टेकचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सवित्री बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री संजय २. आपका क्रम ३. श्री स्वास्तिक ४. श्री स्वरित
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१७-०७-१९७२, प्रात: १०:३० बजे आषाढ़ शुक्ल ७, वि.सं. २०२९, सोमवार जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-११-१९९३, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी, नागपुर (महाराष्ट्र)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपकी गृहस्थ जीवन की बुआ आर्यिका श्री १०५ आगममति माता जी है जो आपके ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ शांतमति माता जी

देह गेह का नेह तज, आतम हो अनुभूत।
स्नेह जले दीपक तभी, करे उजाला पूत।।

आर्यिका श्री १०५ शांतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी शशि जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गुणमाला जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती विमलेश २. आपका क्रम ३. श्री मनोज ४. सुधा
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०४-०३-१९६७, माघ कृष्ण ८, वि.सं. २०२३, शनिवार, मंडी बामौरा जिला-विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. प्रथम वर्ष
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०१-१९८९ मण्डी बामौरा जिला-विदिशा (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सिद्धवर कूटजी क्षेत्र (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ सुशांतमति माता जी

प्रभु चरणों में हार कर, शस्त्र डालकर काम।
विनीत हो पूजक बना, झुक-झुक करें प्रणाम।।

आर्यिका श्री १०५ सुशांतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी निर्मला जी
पिता का नाम	:	श्री मन्नू लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती लीला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री सुरेन्द्र २. श्रीमती आशा ३. आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		४. श्रीमती अनीता ५. श्रीमती अंजना
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२२-०६-१९६५,आषाढ़ कृष्ण ८, वि.सं. २०२२
दिन/स्थान/समय		मंगलवार, मंडी बामौरा जिला-विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२२-१२-१९८९
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मंडी बामौरा जिला-विदिशा (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सिद्धवर कूटजी क्षेत्र खण्डवा (म.प्र.) २०-०४-१९९७
आर्यिका दीक्षा	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ सदयमति माता जी

नाम बने परिणाम तो, प्रमाण बनता मान।
उपसर्गों से क्यों डरो? पार्श्व बने भगवान।। २६।।

आर्यिका श्री १०५ सदयमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सरोज जी
पिता का नाम	:	श्री हेम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गुणमाला जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति कंचन २. श्रीमती उषा ३. श्रीमती आशा ४. श्रीमती सुधा ५. आपका क्रम ६. श्री मुकेश ७. श्री मनोज ८. श्री मनीष
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१६-०६-१९६७,द्वितीय आषाढ़ शुक्ल ०७ वि.सं. २०२६, बुधवार, सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९९३, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी, नागपुर, (महाराष्ट्र)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआजी (गुजरात) १९९६
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ प्रभावनामति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ समुन्नतमति माता जी

ज्ञान तथा वैराग्य से, शिव पथ साधक होय ।
खडगढाल से भूप ज्यों, श्री यश धारक होय ।।

आर्यिका श्री १०५ समुन्नतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मीना जी
पिता का नाम	:	श्री शांतिलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती विमला जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति स्वर्णलता २. श्री कैलाश ३. अनीता जैन ४. आपका क्रम ५. श्री ललित
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०१-०८-१९७४, श्रावण शुक्ल १४, गुरूवार वि.सं. २०३१, खजुरिया जिला-अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०१-१९९३, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढिया जी, जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पावागढ़ जी क्षेत्र (गुजरात) ०७-०२-१९९६
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ शास्त्रमति माता जी

दोष रहित आचरण से, चरण पूज्य बन जाय।
चरण धूल तक सिर चढ़े, मरण पूज्य बन जाय।।

आर्यिका श्री १०५ शास्त्रमति माता जी

पूर्व का नाम :	बाल ब्रह्मचारिणी रेखा जी
पिता का नाम :	श्री प्रकाशचंद जी बजाज
माता का नाम :	श्रीमती शशि बाई जी बजाज
भाई-बहिन के नाम :	१. श्रीमति सीमा २. आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)	३. श्री अमित ४. श्रीमती अंजली
जन्म दिनांक/तिथि/ :	१४-१२-१९७४,शनिवार, मार्गशीर्ष शुक्ल १ वि.सं.
दिन/ स्थान/समय	२०३७, अशोकनगर, जिला-गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक) :	बी.ए. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत :	०७-०५-१९९५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ) :	एक प्रतिमा, १४-०१-१९९७ भरूच (गुजरात)
आर्यिका दीक्षा :	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल 1 वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु :	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ :	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष :	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

समाधिस्थ आर्यिका श्री 105 सुधारमति माता जी

मदन माल का मूल मन, मूल मिटा प्रभु आप।
मदनजयी, जित मान हो, पावन अपने आप।। २३।।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ सुधारमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुनीता जी
पिता का नाम	:	श्री केवल चंद्र जी कठ्रया
माता का नाम	:	श्रीमती विमला बाई जी कठ्रया
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति कुसुम 2. श्रीमति गीता 3. श्रीमति निर्मला 4. श्री प्रमोद 5. आपका क्रम 6. श्री प्रवीण 7. श्री प्रदीप
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	04-01-1964, रविवार, माघ कृष्ण 5 वि.सं.2020 अशोकनगर, जिला- गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	16-01-1991, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला- बैतूल (म.प्र.) अक्षय तृतीया
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, 1994, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी, नागपुर (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	06-06-1997 ज्येष्ठ शुक्ल 1 वि.सं. 2054 श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज
पूर्व में संघस्थ	:	आर्यिका श्री 105 अनंतमति माता जी
समाधि	:	18-08-2019, रविवार, भाद्रपद कृष्ण 3 वि.सं. 2076 श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र खजुराहो जिला-छतरपुर (म.प्र.)
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उपशांतमति माता जी

उच्च फूलों में जनम ले, नदी निम्नगा होय।
शान्ति, पतित को भी मिले भाव बड़ो का होय।।

आर्यिका श्री १०५ उपशांतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी पुष्पा जी
पिता का नाम	:	श्री लखमीचंद जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शांति बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री शिखरचंद २. श्रीमति कमला ३. श्रीमति सरोज
(जन्म के क्रम से)		४. श्री प्रमोद ५. आपका क्रम ६. श्री प्रदीप
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२१-०१-१९६३ सोमवार, माघ कृष्ण ११वि.सं.
दिन/स्थान/समय		२०१९ सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९८०,सागर (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा, १९९१, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
		मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन
		रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी
		जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	संघ प्रमुख
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी

जिनवर आंखे अध खुली, जिनमें झलके लोक।
आप दिखे सब देख ना, स्वस्थ रहे उपयोग।।

आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी नलिनी जी 'नीलू'
पिता का नाम	:	श्री जय प्रकाश जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती द्रोपदी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री विकास
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१७-०५-१९६६, ज्येष्ठ कृष्ण १२, मंगलवार वि.सं. २०२३, दिल्ली
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी (12वीं)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-१०-१९८३ ईसरी (झारखंड)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र गिरनार जी (गुजरात) ०१-०१-१९९७
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	संघ प्रमुख
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अमूल्यमति माता जी

मानव का फल फल नहीं, कल कल नदी निनाद।
पंछी का कलरव रूचे, मानव तज उन्माद।। १३।।

आर्यिका श्री १०५ अमूल्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी किरण जी
पिता का नाम	:	श्री हुकुम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गेंदा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति सरस्वती २. डा.मुन्नालाल जैन ३. श्रीमति सरला ४. आपका क्रम ५. ब्र.बा. सविता ६. श्रीमति संध्या
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१०-०४-१९६५, चैत्र शुक्ल ९, शनिवार वि.सं. २०२२ बंडा बेलई, जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०९-१९८५,शनिवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र आहार जी, जिला-टीकमगढ़
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह १९९२ (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। गृहस्थ जीवन के आपके चचेरे भाई मुनि श्री १०८ निरामयसागर जी आपके ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ आराध्यमति माता जी

सूर्योदय से मात्र ना, ऊष्मा मिले प्रकाश।
सूरदास तक को मिले, दिशा बोध अविनाश।।

आर्यिका श्री १०५ आराध्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी रश्मि जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री सिंघई के.सी. जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती कांता बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति उषा २. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०७-०४-१९७१, चैत्र शुक्ल १२, शुक्रवार (महावीर जयंती) जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-१०-१९८४, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी, जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, नरसिंहपुर (म.प्र.) १९९०
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ ओंकारमति माता जी

सार सार का ग्रहण हो, असार को फटकार।
नहीं चालनी तुम बनो, करो सूप सत्कार।।

आर्यिका श्री १०५ ओंकारमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ममता जी
पिता का नाम	:	श्री मुलायम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती इंद्राणी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. ब्र. विमल २. आपका क्रम ३. ब्रा.ब्र. सविता (वर्तमान में अनुत्तरमति जी) ४. बा.ब्र. अंजू जी (आ. अगाधमति जी) ५. श्री विनोद ६. श्रीमती सुनीता ७. ब्र. मीना
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०८-०१-१९६८ सोमवार, पौष शुक्ल ८, वि.सं. २०२४ पिपरिया (वर्तमान में बांदकपुर), जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पपौरा जी (अक्षय तृतीय) जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.) १९९२
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९८७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०५४ सोमवार, (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०५ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ उपशांतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आ. श्री १०५ अनुत्तर मति जी, आ. श्री १०५ ओंकारमति जी एवं आ. श्री १०५ अगाधमति माताजी आप तीनों गृहस्थ जीवन की बहिनें है एवं एक ही गुरू से दीक्षित है।

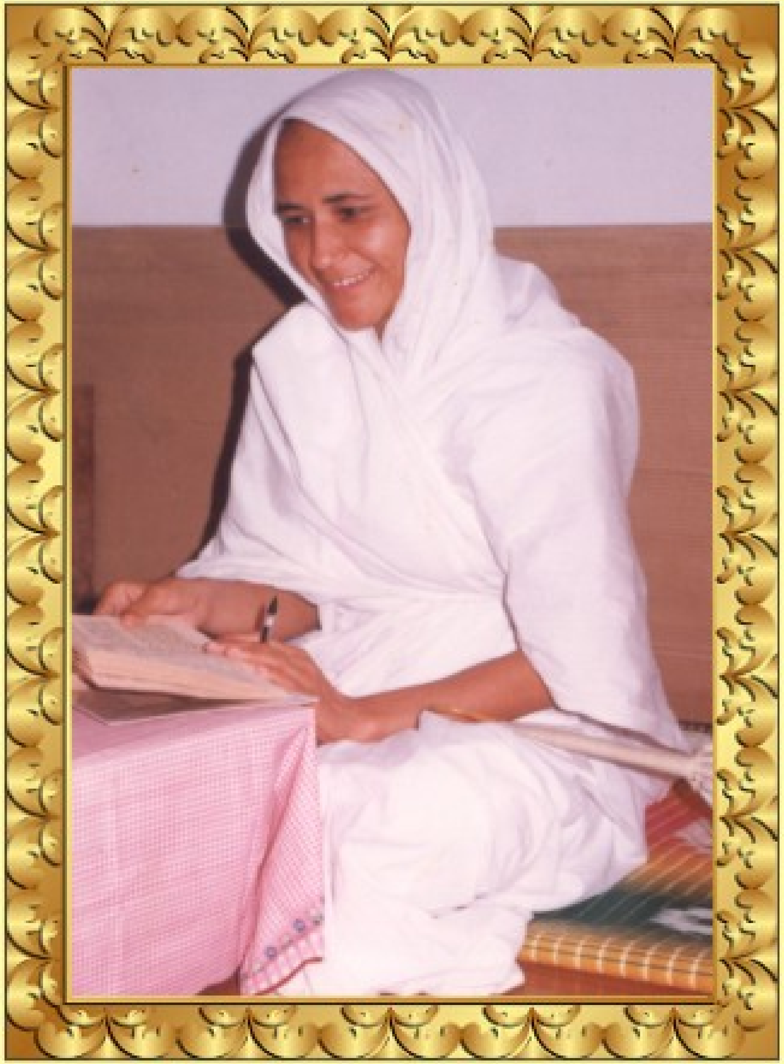

आर्यिका श्री १०५ अचिन्त्यमति माता जी

नहीं व्यक्ति को पकड़ तू, वस्तु धर्म को जान।
मान तथा बहुमान दे, विराटता का गान।।

आर्यिका श्री १०५ अचिन्त्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी संध्या जी
पिता का नाम	:	श्री शिखरचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमलारानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. स्व. साधना ३. स्व. सुरभि ५. स्व. श्री मनोज ५. सविता ६. श्री मनीष ७. संगीता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२४-०९-१९६९, भाद्र शुक्ल १४, बुधवार दोप. ०१:०४ वि.सं.२०२६, वनगाँव, जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०१-१९८८, श्री दिगम्बर जैन क्षेत्रपाल मंदिर ललितपुर (उ.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९८७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०५४ सोमवार, (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०५ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अलोल्यमति माता जी

चाव भाव से धर्म कर, उजवल कर ले भाल।
माल नहीं पर भाव सेबन तू मालामाल।।

आर्यिका श्री १०५ अलोल्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुमन जी
पिता का नाम	:	श्री हुकुम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शीलरानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री नवीन २.श्री सुनील ३.श्रीमती सुषमा
(जन्म के क्रम से)		४. आपका क्रम ५. श्री सतीश ६. श्री जिनेश
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२४-१०-१९६८, रात्रि १० से ११ बजे बुधवार माघ कृष्ण ९, वि.सं. २०२४
दिन/ स्थान/समय		टड़ा जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०९-०१-१९९०, मंगलवार (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		१३-०७-१९९२, श्वेत वस्त्र धारण श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जि.-देवास (म.प्र.) ०७-८-१९९७
आर्यिका दीक्षा	:	१८-०८-१९८७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		सोमवार, (रक्षाबंधन के दिन)श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अनमोलमति माता जी

यम-संयम-दम-नियम ले, कर आगम अभ्यास।
उदास जग दास बन, प्रभु का सो सन्यास।।

आर्यिका श्री १०५ अनमोलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी विद्युत जी
पिता का नाम	:	श्री भागचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री मुकेश ३. श्रीमती सुमन ४. श्री विवेक
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२८-०६-१९७०, प्रात: ६:३० रविवार अषाढ़ कृष्ण १० वि.सं. २०२६ टड़ा जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मेट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०३-१९९०, पथरिया, जिला-दमोह (म.प्र.) १३-०७-१९९२, श्वेत वस्त्र धारण कुण्डलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.) १२-०२-१९९२
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०५४ सोमवार, (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उचितमति माता जी

वश में हो सब इन्द्रियाँ, मन पर लगे लगाम।
वेग बढ़े निर्वेग का, दूर नहीं फिर धाम।। ३५।।

आर्यिका श्री १०५ उचितमति माता जी

पूर्व का नाम :	बाल ब्रह्मचारिणी सुनीता जी
पिता का नाम :	स्व. श्री केवल चंद जी जैन
माता का नाम :	श्रीमती सोना बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से) :	१.आपका क्रम २. ब्र. अनीता ३. श्री मनोज ४. विनीता ५. श्री अमित
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय :	०७-१०-१९७३, सोमवार आश्विन शुक्ल ५ वि.सं. २०३०, अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक) :	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान :	०४-०५-१९९३ मंगलवार, श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र बीना वारह जी जिला-सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ) :	दो प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआजी, (गुजरात), १९९६
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान :	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार, वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु :	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ :	आर्यिका श्री १०५ तपोमति माता जी
विशेष :	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उद्योतमति माता जी

स्वयं तिरे ना तारती, कभी अकेली नाव।
पूजा नाविक की करो, बने पूज्य तब नाव।।

आर्यिका श्री १०५ उद्योतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी भारती जी
पिता का नाम	:	श्री मधुकर राव जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रतिभा जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती मंगला २. श्रीमती नलिनी ३. आपका क्रम ४. श्रीमती अनीता ५. श्री प्रशांत ६. श्रीमती सरिता
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१६-०७-१९६९, आषाढ़ शुक्ल १०, रविवार वि.सं. २०२६, काटोल, जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (हिन्दी), डी.एड. एवं बी.ए. बी.एड., शास्त्री
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२७-०७-१९९० नागपुर (महाराष्ट्र)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी, नागपुर (महाराष्ट्र) १९९३
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार, वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ आज्ञामति माता जी

गुरू चरणों की शरण में, प्रभु पर हो विश्वास।
अक्षय सुख के विषय में, संशय का हो नाश।।

आर्यिका श्री १०५ आज्ञामति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अर्चना जी
पिता का नाम	:	श्री उत्तम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती अनीता २. आपका क्रम ३. श्रीमती संगीता ४. श्री सुनील ५. श्री अमित
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२६-११-१९७३, आश्विन कृष्ण १२, सोमवार वि.सं. २०३०, अभाना, जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०१-१९९३ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सिद्धवर कूट जी क्षेत्र 1997
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार, वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अचलमति माता जी

जठरानल अनुसार हो, भोजन का परिणाम।
भावों के अनुसार ही, कर्म बंध-फल काम।।

आर्यिका श्री १०५ अचलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सविता जी
पिता का नाम	:	श्री नंदराम जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती आशा २. स्व. जिनेन्द्र ३. श्रीमती सुनीता ४. श्री नरेन्द्र ५. स्व. अनीता ६. आपका क्रम ७. श्रीमती संगीता ८. श्री धर्मेन्द्र ९. श्री सत्येन्द्र १०. कु. सपना
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१२-०९-१९७४, गुरुवार, द्वितीय भाद्रपद कृष्ण ११, १२:३० रात्रि वि.सं. २०३१ कंदवा, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२९-०९-१९९५ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.) १८-०६-१९९७, श्वेत वस्त्र धारण नेमावर
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मांगीतुंगी जी क्षेत्र में १९९७
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार, वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ अवगममति माता जी

सब में वह ना योग्यता, मिले न सबको मोक्ष।
बीज सीझते सब कहाँ, जैसे टर्रा मोठ।।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ अवगममति माता जी

पूर्व का नाम	:	ब्रह्मचारिणी श्रीमती लक्ष्मी बाई जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री राय बहादुर प्यारेलाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती गिरिजा बाई जी जैन (पति स्व. श्री डॉ. सुमेरचंद जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. स्व. श्रीमती ललिता बाई २. श्रीमती चंपा ३. स्व. श्रीमती मालती बाई ४. श्री प्रकाशचंद्र ५. स्व. श्री कैलाश चंद्र ६. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२५-०८-१९४० रविवार सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८५ (मुनि श्री क्षमासागर जी से) जिला-दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआजी, गुजरात में १९९६
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार, वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।
समाधि	:	२५-०५-२०१८ गुरुवार प्रथम ज्येष्ठ शुक्ल १० वी.नि.सं. २५४४ प्रात: ११:१५ ब्यौहारी जिला शहडोल (म.प्र.)

आर्यिका श्री १०५ स्वस्थ्यमति माता जी

शत-शत सुर नर पति करे, वंदनशत्-शत् बार।
जिन बनने जिन चरण रज, लूँ मैं सिर पर सार।। ३ ।।

आर्यिका १०५ स्वस्थ्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी शशि दीदी
पिता का नाम	:	श्री धन्ना लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती लक्ष्मी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २.राकेश ३.सुनीता ४. श्री राजेश ५. श्री सुनील
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१९६१, मोराजी सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी (11वीं)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८० मुक्तागिरि जी (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा (मुक्तागिरी) सात प्रतिमा कुण्डलपुर दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ तथ्यमति माता जी

सार-सार दे शारदे, बनूं विशारद धीर।
सहार दे तार दे, उतार दे उस तीर।।

आर्यिका १०५ तथ्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी भारती दीदी
पिता का नाम	:	श्री बुधमल जी जैन (चौधरी)
माता का नाम	:	श्रीमती बादामी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. स्व. श्री सुगन जैन, २. श्रीमती शशि, ३. श्री अनिल, ४. श्रीमती गुणमाला, ५. श्री सुनील, ६. श्रीमती ममता, ७. श्री संजय, ८. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०८-०१-१९७२, शनिवार, माघ कृष्ण ८ वि.सं. २०२८, गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी साहित्य)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०९-१९९२, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेद्ध मुक्तागिरी जिला-बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, नेमावर०९-१२-१९९७ वि.सं. २०६२
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ वात्सल्यमति माता जी

तन मन को तप से तपा, स्वर्ण बनूं छविमान।
भक्त बनूं भगवान को, भजूं बने भगवान।।

आर्यिका १०५ वात्सल्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी साधना दीदी	
पिता का नाम	:	स्व. श्री गुलझारी लाल जी जैन	
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती विमला बाई जी जैन	
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री अभय	२. श्री विनय
(जन्म के क्रम से)		३. श्रीमती अनीता	४. श्रीमती सुनीता
		५. आपका क्रम	६. श्री संजय
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१५-०६-१९६५, मंगलवार आषाढ़ कृष्ण १ वि.सं. २०२२, शाहपुर, जिला-सागर (म.प्र.)	
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)	
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१२-०७-१९८४, चतुर्दशी, गुरुवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)	
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी, बैतूल (म.प्र.)	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)	
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज	
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी	
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।	

आर्यिका श्री १०५ पथ्यमति माता जी

शीत करूँ सब पाप को, हरूँ ताप वन शान्त।
गति आगति रति मिटे, मिले आप निज प्रान्त।।

आर्यिका १०५ पथ्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी रजनी दीदी
पिता का नाम	:	श्री वीरेन्द्र कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रमिला जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती उज्जवला २.आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		३.श्रीमती प्रीति ४. श्री सुमित
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०८-०१-१९७२, माघ कृष्ण ८, शनिवार
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०२८ गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी साहित्य)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१५-०५-१९९१
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मुक्तागिरी बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, खेड़ाग्राम
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ जागृतमति माता जी

चेतन का जब जतन हो, सो तन की हो धूल।
मिले सनातन धाम सो, मिटे तनातन भूल।।

आर्यिका १०५ जागृतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी संतोष दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री माणिकचंद जी पाटौदी
माता का नाम	:	श्रीमती तारा देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती कनकलता २. श्रीमती विमला ३. श्री आनंद ४. श्रीमती किरणलता ५. श्री अशोक ६. आपका क्रम ७. श्री अनिल ८. राजकुमार ९. संगीता
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१९६८, कुचामन सिटी, नागौर (राजस्थान)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एच.एस.सी. (आर्ट्स)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०३-१२-१९८३
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	२,७,८,९ प्रतिमा सन् १९८४ में
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ कर्तव्यमति माता जी

फूल राग का घर रहा, काय रहा विराग।
तभी फूल का पतन हो, राग त्याग तू जाग।। ३९।।

आर्यिका श्री १०५ कर्तव्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी डॉ.श्रद्धा दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री वन्शीधर जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चमेली बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्री गुलाब जी २.श्रीमती अंगूरी ३. श्री विनोद जी ४. श्री वीरेन्द्र जी ५. स्व.श्रीमती पद्मा ६. श्री अहमेंन्द्र ७.आपका क्रम ८.बा. ब्र. सुनंदा दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०५-०७-१९७२,बुधवार, पिपरिया, आषाढ़ कृष्ण ९ वि.सं. २०२९ (बाद में बंडा में निवास) जिला सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. डबल (हिन्दी, संस्कृत), डी.एन.वाय.एस.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-०७-१९९३, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भतीजे मुनि श्री १०८ नीरोगसागर जी एवं आर्यिका श्री १०५ सूत्रमतिमाता जी आपके गृहस्थ जीवन की चचेरी बहिन है जो आपके गुरू से ही दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ गंतव्यमति माता जी

जीव जिलाना, जालना, दिया जलाना कार्य।
भूल भुलाना, भूलना, शिव-पथ में अनिवार्य।। ४५।।

आर्यिका श्री १०५ गंतव्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी डॉ. देविका जैन
पिता का नाम	:	श्री सुरेश चंद्र जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती आशारानी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. आपका क्रम २. श्री विनय जी
(जन्म के क्रम से)		३. श्रीमती रेणुका जी ४. श्रीमती सृजुला
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०४-११-१९६९, शनिवार, कार्तिक कृष्ण १४ वि.सं.
दिन/स्थान/समय		२०२९ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (डवल) एम.ए.एन.डी. आस्टिमोपैथी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०७-०८-१९९७, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ संस्कारमति माता जी

विकसित हो जीवनलता, विसलित गुण के फूल।
ध्यानी मौनी सूंघता, महक उठे आमूल।।

आर्यिका श्री १०५ संस्कारमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कल्पना दीदी
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्रीमती सरोज २.श्री अनिल ३. श्रीमती शशि ४.श्री आजाद ५. आपका क्रम ६. श्रीमती मंजू ७. श्री सुनील ८. श्री संतोष ९. श्रीमती सीमा १०. श्रीमती सपना
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१९६६, गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (हिन्दी, अर्थशास्त्र, राजनीति)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९९३
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	जबलपुर (म.प्र.) सूरत, १९९६
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ निष्काममति माता जी

रसना रस गुण को कभी, ना चख सकती भ्रात।
मधुरादिक पर्याय को, चख पाती हो ज्ञात।। ६०।।

आर्यिका श्री १०५ निष्काममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी पद्मश्री दीदी
पिता का नाम	:	श्री महावीर जी (कुडचे) जैन
माता का नाम	:	श्रीमती माणिक (कुडचे) जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.आपका क्रम २.बा.ब्र.राजश्री (वर्तमान में आर्यिका विरतमति जी) ३. श्री बाहुबली जी ४. कु.भाग्य श्री
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२१-०७-१९७८, बुधवार, आषाढ़ कृष्ण १ वि.सं. २०३५, जुगूल, जिला बेलगाँव, कर्नाटक
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	दसवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२४-०६-१९९७, मंगलवार, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, करेली, जिला-नरसिंहपुर (म.प्र.) मार्च २००१
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका विरतमति जी आपके गृहस्थ जीवन की बहिन हैं। और दोनों बहन एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ विरतमति माता जी

सीधे सीझे शीत हैं, शरीर बिन जीवन्त।
सिद्धों को शुभ नमन हो, सिद्ध बनूं श्रीमन्त।। १।।

आर्यिका श्री १०५ विरतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी राजश्री दीदी
पिता का नाम	:	श्री महावीर जी (कुड़चे) जैन
माता का नाम	:	श्रीमती माणिक (कुड़चे) जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.बा.ब्र.पद्म श्री (वर्तमान में आर्यिका निष्काममति जी) २.आपका क्रम ३. श्री बाहुबली जी ४. कु. भाग्य श्री
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२०-११-१९७९, मंगलवार, मार्गशीर्ष शुक्ल-१ वि.सं. २०२६, जुगूल, जिला बेलगाँव (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	दसवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२४-०६-१९९७, मंगलवार श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास म.प्र.
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, कुण्डलपुर दमोह, म.प्र., (मार्च) २००१
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई है। आर्यिका निष्काममति जी आपके गृहस्थ जीवन की बहिन हैं। और ये एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ तथामति माता जी

प्रभु दिखते तब और ना, और समय संसार।
रवि दिखता तो एक ही, चन्द साथ परिवार।। २०।।

आर्यिका श्री १०५ तथामति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी राखी दीदी
पिता का नाम	:	श्री नवीन कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रतिमा जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.आपका क्रम २.श्री नितिन
(जन्म के क्रम)		३. श्री नीलेश ४.कु. रचना
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२३-०६-१९७६ शुक्रवार,आषाढ़ कृष्ण ८
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०३५, विदिशा,(म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. प्रथम वर्ष (राजनीति)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२५-०४-१९९८, भाग्योदय, सागर(म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री सिद्धक्षेत्र नेमावर जी (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, कुण्डलपुर दमोह,(म.प्र.) २०००
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उदारमति माता जी

शिवपथ नेता जितमना, इन्द्रिय जेता धीश।
तथा प्रणेता शास्त्र के, जय जय जय जगदीश।। ३।।

आर्यिका श्री १०५ उदारमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अंजू दीदी
पिता का नाम	:	श्री विजय कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रमिला जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.श्रीमती ममता २.श्रीमती रंजना ३. श्री मनीष
(जन्म के क्रम से)		४. आपका क्रम ५. श्री मनोज
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१३-०८-१९७२, रविवार श्रावण शुक्ल ४
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०२९ पिंडरई, जिला - मण्डला (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१२-१२-१९९०, रामटेक (महाराष्ट्र)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, विदिशा (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी,
		जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ विजितमति माता जी

प्रतिभा की इच्छा नहीं, आभा मिले अपार।
प्रतिभा परदे की प्रथा, आभा सीधी पार।।

आर्यिका श्री १०५ विजितमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी बबीता दीदी
पिता का नाम	:	श्री अजित कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुधा जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री राजीव ३. श्री संजीव
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०२-१२-१९७१, गुरुवार मार्गशीर्ष शुक्ल १५ (पूर्णिमा) सतना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (समाज शास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०९-१९९७, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ संतुष्टमति माता जी

मूर्तिक इन्द्रिय विषय भी, मूर्तिक है पर्याय।
तभी सुधी उपयोग का, करते हैं स्वाध्याय।। ६३।।

आर्यिका श्री १०५ संतुष्टमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी श्वेता दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री वंशीलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्रीमती सुनीता २. श्रीमती अनिता ३. श्रीमती विनीता ४. श्रीमती बबीता ५.श्री दीपक ६. बा.ब्र.दिलीप जी (वर्तमान में मुनि निर्वेगसागर जी) ७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२०-११-१९७५,शनिवार कार्तिक कृष्ण २, वि.सं. २०३२, छिंदवाड़ा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा (विदिशा)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई है। आपके गृहस्थ जीवन के भाई मुनि श्री १०८ निर्वेगसागर जी है एवं आप दोनों एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ निकटमति माता जी

तभी मनोरथ पूर्ण हो, मनोयोग थम जाय।
विद्या रथ पर रूढ़ हो, तीन लोक नम जाय।। ९२।।

आर्यिका श्री १०५ निकटमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी डॉ. मीनू दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री शिखर चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती ममता जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्रीमती अनीता २.बा.ब्र. विनीता जी (वर्तमान में आर्यिका श्री निर्वेगमति जी) ३. आपका क्रम ४. श्री संदीप ५. श्री सुदीप
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०२-११-१९७४, शनिवार, कार्तिक शुक्ल ३ वि.सं. २०३१ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	डबल एम.ए. (संस्कृत, फिलासफी), एन.डी.वाई. एस.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०८-१९९५, वि.सं. २०६२ श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	नहीं
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका निर्वेगमति जी आपके गृहस्थ जीवन की बहिन हैं। आप दोनों एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ संवरमति माता जी

सौरभ के विस्तार हो, नीरस न रस कूप।
नमूं तुम्हें तुम तम हरो, रूप दिखाओ धूप।। ९४।।

आर्यिका श्री १०५ संवरमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी प्रीति दीदी
पिता का नाम	:	श्री विमल कुमार जी सतभैया
माता का नाम	:	श्रीमती आशारानी जी
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री राजकुमार २. बा.ब्र. संजय जी
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१३-०५-१९६९, मंगलवार ज्येष्ट कृष्ण १२ वि.सं.
दिन/स्थान/समय		२०२६, नागपुर (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. डी.बी.एम.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२५-०८-१९९३, महावीर जयंती
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		रामटेक महाराष्ट्र
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	२ प्रतिमा १९-०६-१९९७ नेमावर
		७ प्रतिमा भाग्योदय तीर्थ सागर, (म.प्र.)
		(मुकुट सप्तमी)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी,
		जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ ध्येयमति माता जी

धर्म धनिकता में सदा, देश रहे बल जोर।
भवन वही बस चिर टिके, नीव नहीं कमजोर।। ८८।।

आर्यिका श्री १०५ ध्येयमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी भारती दीदी
पिता का नाम	:	श्री प्रकाश चंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री मनीष २. स्व.अरविंद जी ३. आपका क्रम ४. श्री संजय
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	११-०८-१९८०, सोमवर, श्रावण शुक्ल १, वि.सं २०३७ कदवाँ (बाद में बण्डा) सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१४-०५-१९९६, शाहपुर जिला- सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, मढ़िया जी जबलपुर,०१-०८-२००५
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुणमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ आत्ममति माता जी

इसी भांति सब इन्द्रियाँ, ना जाने गुण-शील।
इसीलिए उपयोग में, रमते सुधी सलील।। ६२।।

आर्यिका श्री १०५ आत्ममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी रेणु दीदी
पिता का नाम	:	श्री आनंद प्रकाश जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती स्वदेश जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्रीमती अनीता २. आपका क्रम ३. श्री राजेश ४. श्री कमल
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२३-१२-१९६७, शनिवार, पौष कृष्ण ७, वि.सं. २०२४
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी), बी.एड. डिप्लोमा
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०८-१९८८
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	६ प्रतिमा अमरकंटक २००४
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुणमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ चैत्यमति माता जी

साधु-सन्त कृत शास्त्र का, सदा करो स्वाध्याय।
ध्येय, मोह का प्रलय हो, ख्याति-लाभ व्यवसाय।।७२।।

आर्यिका श्री १०५ चैत्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सरोजनी (पप्पी) दीदी
पिता का नाम	:	श्री महेन्द्र कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्रीमती अन्नपूर्णा २. आपका क्रम ३. श्री अविनाश ४. रेश्मा ५. श्री पंकज
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०८-१०-१९७०, आश्विन शुक्ल १ वि.सं. २०२७ सतना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३०-१२-१९९३, रामटेक
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, अमरकण्टक २०००
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ पृथ्वीमति माता जी

चेतन में ना भार है, चेतन की ना छांव।
चेतन की फिर हार क्यो? भाव हुआ दुर्भाव।। १००।।

आर्यिका श्री १०५ पृथ्वीमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कल्पना दीदी
पिता का नाम	:	श्री खुशाल चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती आशारानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्री श्रेयांश २. श्री पारस ३. साधना ४. अर्चना ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०२-१२-१९७६, गुरुवार मार्गशीर्ष शुक्ल ११ वि.सं. २०३३ गनेशगंज शाहपुर जिला सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०७-१९९७, कटनी, म.प्र. (पंचकल्याणक में)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, नेमावर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ निर्मदमति माता जी

विशद पूर्ण मम हो, विभाव मुझसे दूर।
ध्यान विषय का तव स्मरूँ, स्वभाव सुख से परे।। ३७।।

आर्यिका श्री १०५ निर्मदमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मनीषा दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री राजकुमार जी देवड़िया
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती चंद्रप्रभा जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्री राजू २.श्रीमती बबली ३. आपका क्रम ४.श्रीमती मेनका ५. श्री पंकज
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२२-०२-१९७५,शनिवार माघ शुक्ल ११ वि.सं. २०३१ नागपुर (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१४-०३-२००३, नागपुर (महाराष्ट्र)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	पहली प्रतिमा, नेमावर (म.प्र.) २००३
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

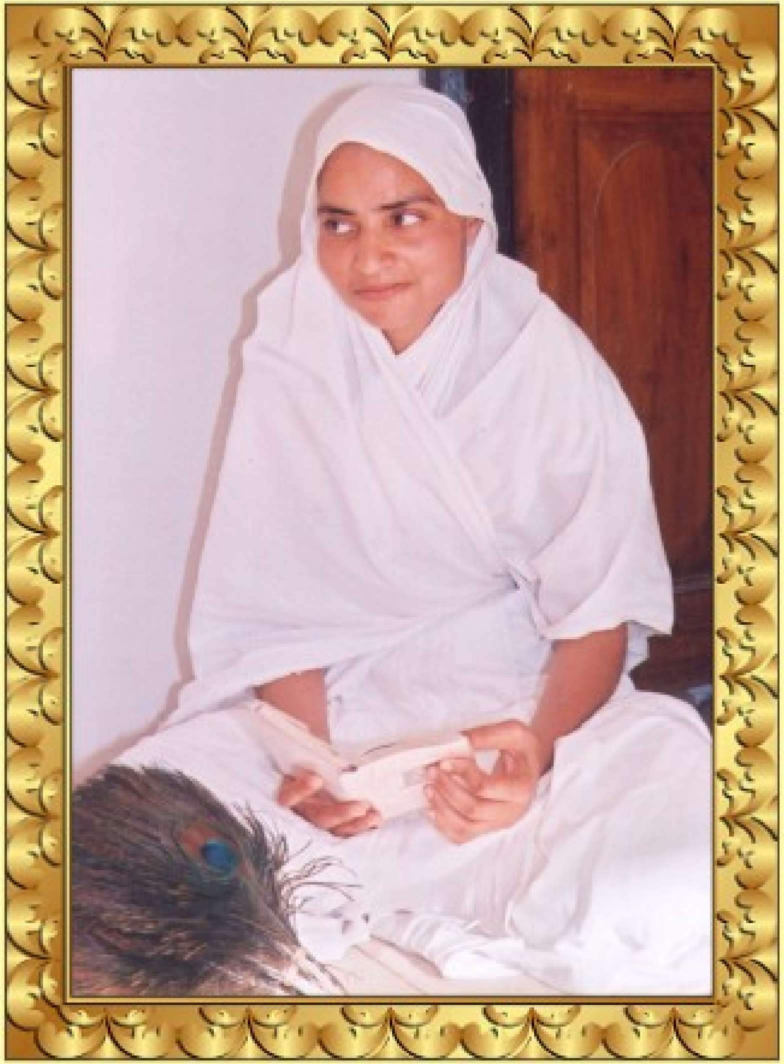

आर्यिका श्री १०५ पुनीतमति माता जी

जिनबिम्ब दर्शन से जिन्होंने, मोह मिथ्यातम हरा।
उन भव्य जीवों को मिला है, एक दिश शिव सुख खरा।।

आर्यिका श्री १०५ पुनीतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी दीपा दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री फूलचंद जी सिंघई
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती विमला जी सिंघई
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्री विजय २.श्रीमती सुनीता ३. श्रीमती सुषमा ४.श्री अनिल ५. श्री प्रदीप ६. श्रीमती संगीता ७. श्री संजय, ८. श्री शैलेष ८. आपका क्रम १०. श्रीमती सरिता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२६-१०-१९७२, शुक्रवार, कार्तिक कृष्ण अमावस्या (दीपावली) वि. सं. २०३० खुरई, जिला-सागर
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी साहित्य), (राजनीति)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-०५-१९९८ भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, कुण्डलपुर, दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई

आर्यिका श्री १०५ विनीतमति माता जी

दीप कहाँ दिनकर कहां, इन्दु कहां खद्योत।
कूप कहां सागर कहां, यह तोता प्रभु पोत।। ८७।।

आर्यिका श्री १०५ विनीतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कल्पना जी गुरहा (जैन)
पिता का नाम	:	स्व.श्री भागचंद जी गुरहा (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती प्रभाबाई जी (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्रीमती सुमन २. श्रीमती सुधा ३.अखिलेश ४.श्रीमती साधना ५.रजनी ६.आपका क्रम ७.श्रीमती मंजू
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२४-०१-१९७५ गुरुवार, माघ कृष्ण १० वि.सं.२०३१ खुरई जिला-सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए.हिन्दी साहित्य
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-१२-१९९६, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, गोम्मटगिरी इंदौर, (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं.२०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री १०५ निकंलक मति जी आपकी गृहस्थ जीवन की चचेरी बहिन है एवं भतीजे मुनि श्री १०८ निराकुल सागर जी है आप सभी एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ मेरुमति माता जी

हुआ पतन बहु बार है, पा करके उत्थान।
वही सही उत्थान है, हो न पतन सम्मान।।९३।।

आर्यिका श्री १०५ मेरुमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी संगीता दीदी
पिता का नाम	:	स्व.श्री पवन कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चंद्रप्रभा जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.आपका क्रम २.श्रीमती मोनिका
(जन्म के क्रम से)		३.श्रीमती अभिलाषा ४.अमित
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२८-०८-१९७४, प्रथम भाद्रपद शुक्ल ८
दिन/स्थान/समय		वि.सं. २०३१ खुरई जिला - सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए.(हिन्दी साहित्य)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१८-१२-१९९६, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	पाँच प्रतिमा, कुण्डलपुर दमोह, (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
		कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ आप्तमति माता जी

क्रोध कांपता, बिचकता, मान भूल निज भाव।
लोभ लौटता दूर से, मेरे देख स्वभाव।।

आर्यिका श्री १०५ आप्तमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मीरा दीदी
पिता का नाम	:	श्री प्रेमचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुधा जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.आपका क्रम २.श्रीमती सीमा ३.श्री योगेश ४.श्री नरेन्द्र ५. श्री अखिलेश
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०१-०७-१९७६, गुरुवार, आषाढ़ शुक्ल १ वि.सं. २०३३ बरा, तह. बण्डा (बेलई) जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	११-१२-१९९७, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दूसरी प्रतिमा, कुण्डलपुर दमोह, (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उपशममति माता जी

योग, भोग, उपयोग में, प्रधान हो उपयोग।
शिव पथ में उपयोग का, सुधी करे उपयोग।।५९।।

आर्यिका श्री १०५ उपशममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी वाणी श्री दीदी
पिता का नाम	:	श्री देवकुमार जी जैन नैनार
माता का नाम	:	श्रीमती विजय लक्ष्मी जी जैन नैनार
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. जय श्री २. आपका क्रम ३. अजित प्रसाद
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२६-०५-१९७९, ज्येष्ठ शुक्ल १, शनिवार, वि.सं. २०३६ चैय्यार,जिला- तिरूवन्नामल (तमिलनाडु)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२४-०२-१९९९, पुन्नूर मलै (तमिलनाडु)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, सन् २००० वि.सं. २०६२ पुन्नूर मलै (तमिलनाडु)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ ध्रुवमति माता जी

गगन गहनता गुम गई, सागर का गहराव।
हिला हिमालय दिल बिभो। देख सही ठहराव।। ९६ ।।

आर्यिका श्री १०५ ध्रुवमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी पम्मी दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री सतीश कुमार जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती संतोषलता जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. कल्पना ३. राजेश ४. नेहा ५. ललित ६. कपाली
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०६-०६-१९६५, सोमवार, ज्येष्ठ शुक्ल ९, वि.सं. २०२२ कौंसाबेल जिला- जसपुर (छत्तीसगढ़)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.एस.सी. बायोलॉजी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८२, कुनकुरी, (छत्तीसगढ़)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	रामटेक (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ असीममति माता जी

नहीं सर्वथा व्यर्थ हैं, गिरना भी परमार्थ।
देख गिरे को, हम जगे, सही करें पुरूषार्थ।। ९५।।

आर्यिका श्री १०५ असीममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मनीषा दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री कोमलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चंदा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. राजेश २. श्रीमती राजकुमारी ३. श्रीमती रजनी ४. श्रीमती संध्या ५. श्रीमती अनीता ६. आपका क्रम ७. श्रीमती राखी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१४-०१-१९७६, बुधवार, पौष शुक्ल १२ वि.सं. २०३२ जिला-दमोह, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९९५, बीना बारहा तीर्थक्षेत्र (म.प्र.) ड्रेस चेंज श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला- बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, करेली, जिला-नरसिंहपुर, (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ ऋजुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ गौतममति माता जी

ज्ञायक बन गायक नहीं, पाना है विश्वास।
लायक बन नायक नहीं, जाना है शिव धाम।।

आर्यिका श्री १०५ गौतममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अंजू दीदी
पिता का नाम	:	श्री शिखरचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शीला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुनीता २.श्री सनत ३.आपका क्रम ४.श्री आनंद ५.श्रीमती प्रीति
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१९-०७-१९७७,मंगलवार, श्रावण शुक्ल ३, वि.सं. २०३४ पथरिया जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (संस्कृत)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९९९, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात,बण्डा, जिला-सागर (म.प्र.)सन् २००२
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ ऋजुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ संयतमति माता जी

परघर में क्यों घुस रही, निज घर तज यह भीड़।
पर नीड़ों में कब घुसा, पंछी तज निज नीड़।। ६९।।

आर्यिका श्री १०५ संयतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ज्योति दीदी
पिता का नाम	:	श्री प्रकाश चंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चंपा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. अजय २. आपका क्रम ३. श्रीमती नीतू
(जन्म के क्रम से)		४. श्रीमती रानी ५. सोनू ६. अमित
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२६-०६-१९७४, शुक्रवार, आषाढ़ शुक्ल ९
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०३१, कुंभराज जिला - गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी, समाजशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०२-११-१९९२, कुण्डलपुर (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, तिलवारा, जबलपुर, (म.प्र.) १९९९
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ धारणामति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अगाधमति माता जी

ना दे अपने पुण्य को, पर के ना ले पाप।
पाप-पुण्य से हैं परे, प्रभु अपने में आप।। ४९ ।।

आर्यिका श्री १०५ अगाधमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अंजू दीदी
पिता का नाम	:	श्री मुलायम चंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती इंद्राणी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. ब्र. विमल भैया २.बा.ब्र. ममता दीदी (वर्तमान में आ. ऊँकारमति जी) ३.बा.ब्र. सविता (वर्तमान में आ. श्री अनुत्तरमति जी) ४. आपका क्रम ५.विनोद ६.श्रीमती सुनीता ७. ऋषभ ८. बा.ब्र.मीना
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२९-१२-१९७४, रविवार, मार्गशीर्ष शुक्ल १५ वि.सं. २०३१ पिपरिया, जिला-दमोह (म.प्र.) (बाद में बांदकपुर में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०१-१९९३, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, बिलासपुर, (छ.ग.), २००४
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अपूर्व मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आ. श्री १०५ अनुत्तरमति जी, आ. श्री १०५ ऊँकारमति जी एवं आ. श्री १०५ अगाधमति माता जी आप तीनों गृहस्थ जीवन की बहिनें है एवं एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ निर्वाणमति माता जी

प्रभु को लख हम जागते, वरना सोते घोर।
सूर्योदय प्रभु आप हैं, चन्द्रोदय है और।। २३।।

आर्यिका श्री १०५ निर्वाणमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ज्योति दीदी
पिता का नाम	:	श्री निर्मल चंद्र जी जैन बड़कुल
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्रीमती नीलम २. नीलेश ३. आपका क्रम ४. प्रीति ५. राखी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२४-०९-१९७८, रविवार, आश्विन कृष्ण-८ वि.सं. २०३५, चरगुवां जिला-जबलपुर (म.प्र).
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी (आर्ट्स)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०३-२००२ परसोरिया जिला-सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा बिलासपुर (छ.ग.) ३१-०४-२००४ सात प्रतिमा जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ ऋजुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री १०५ मंगलमती माता जी आपकी गृहस्थ अवस्था की छोटी बहन है एवं आपके गुरु से ही दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ मार्दवमति माता जी

दुबला पतला हूँ नहीं सबल समल ना मूढ़।
रूढ़ नहीं हूँ प्रौढ़ ना, व्यक्त नहीं हूँ गूढ़।। ४०।।

आर्यिका श्री १०५ मार्दवमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी वंदना दीदी
पिता का नाम	:	श्री कुन्दन लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती संतोष रानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. विनीत कुमार २. श्रीमती विनीता जैन
(जन्म के क्रम से)		३. विनय जैन ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१०-०७-१९७६, माघ कृष्ण -७
दिन/ स्थान/समय		चरगँवा,जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२२-०२-२०००, करेली (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		१६-०३-२००२, परसोरिया (आजीवन व्रत)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
		३१-०७-२००४
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी,
		जिला- दमोह (म.प्र.))
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ ऋजुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ मंगलमति माता जी

धन जब आता बीच में, वतन सहज हो गौण।
तन जब आता बीच में, चेतन होता मौन।। ३८।।

आर्यिका श्री १०५ मंगलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी प्रीति दीदी
पिता का नाम	:	श्री निर्मल चंद्र जैन बड़कुल
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पाबाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्रीमती नीलम २. नीलेश ३.बा.ब्र. ज्योति ४.आपका क्रम ५. राखी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२८-०३-१९८१, शनिवार, चैत्र कृष्ण सप्तमी वि.सं. २०३७ चरगवाँ,जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१७-०२-२०००, करेली, नरसिंहपुर, (म.प्र.) १६-०३-२००२, परसोरिया (म.प्र.) ड्रेस चेंज
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा रामटेक, तीन प्रतिमा दयोदय जबलपुर, सात प्रतिमा श्री कुण्डलपुर सिद्धक्षेत्र (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ ऋजुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका १०८ मंगलमति जी एवं आर्यिका १०८ निर्वाणमति जी आप दोनों गृहस्थ जीवन की बहिनें है एवं एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ परमार्थमति माता जी

आने वाला आयेगा, जग दो दिन का खेल।
रैनबसेरा है अरे! परिजन का यह मेल।।

आर्यिका श्री १०५ परमार्थमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कीर्ति दीदी
पिता का नाम	:	श्री बवनराव जैन
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. आपका क्रम २.आरती
(जन्म के क्रम से)		३. पंकज
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१३-०१-१९८३, गुरुवार पौष शीर्ष कृष्ण-१४
दिन/स्थान/समय		वि.सं. २०३९ , जिला यवतमाल (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (अंग्रेजी)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२१-१०-२००२, (काकेगाँव)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		नेमावर, शरद पूर्णिमा
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, रामटेक (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई ।

आर्यिका श्री १०५ ध्यानमति माता जी

राग बिना आतम दुखे, आतम बिन ना राग।
धूम बिना तो आग हो, धूम नहीं बिन आग।। ४६ ।।

आर्यिका श्री १०५ ध्यानमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मधु दीदी
पिता का नाम	:	श्री महेन्द्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शकुन जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. नीलेश २. श्रीमती मंजू ३. आपका क्रम ४. श्रीमती प्रीति ५. नीरज
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२७-०९-१९७८, बुधवार आश्विन कृष्ण १० वि.सं. २०३५, टड़ा, जिला-सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी साहित्य)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०२-०३-२००२, बण्डा पंचकल्याणक
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, नेमावर, २७-०९-२००२
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ विदेहमति माता जी

खोया जो है अहम में, खोया उसने मोल।
खोया जिसने अहम को, खोजा धन अनमोल।। ६५।।

आर्यिका श्री १०५ विदेहमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अनीता दीदी
पिता का नाम	:	श्री दयाचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शांति जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. कुसुम २. श्री संतोष ३. श्री विजय ४.श्रीमती सरोज ५.श्रीमती शकुन ६.आपका क्रम ७.बा.ब्र.विनोद जी ८.ब्रा.ब्र. शिरोमणि दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१३-०९-१९७२, रविवार वैशाख शुक्ल -१२ वि.सं. २०३० जैतपुर, (डोमा) जिला-सागर, (म.प्र.) (बाद में नागपुर में निवास रहा)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	ग्यारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-२००४ गुरुवार (अक्षय तृतीया)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, रामटेक, (महाराष्ट्र) 28 फरवरी
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अवायमति माता जी

त्रिभुवन जेता काम भी, दोनों घुटने टेक।
शीश झुकाते दिख रहा, जिन चरणों में देख।। ७६ ।।

आर्यिका श्री १०५ अवायमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी नीलम दीदी
पिता का नाम	:	श्री सुभाषचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कुसुम रानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती सीमा २. शैलेन्द्र
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम ४. धर्मेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/	:	३१-१२-१९८३, शनिवार पौष कृष्ण १२
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०४० पिंडरूवा जिला सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१४-०३-२००२, बण्डा, जिला-सागर, (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा बीना वारह जी, जिला सागर, (म.प्र.) २००५
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ पारमति माता जी

कानों से तो हो सुना, आँखों देखा हाल।
फिर भी मुख से न कहे, सज्जन का यह ढाल।। ८६ ।।

आर्यिका श्री १०५ पारमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ममता दीदी
पिता का नाम	:	श्री हरप्रसाद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चंदा जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. अरविन्द २.श्रीमती माया
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम ४.श्रीमती मनोरमा
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१७-०७-१९७७, श्रावण शुक्ल १ वि.सं. २०३४
दिन/ स्थान/समय		बहेरिया (गौरझामर) जिला- सागर,(म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१७-०२-२०००, करेली (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		१८-०४-२००२, भोपाल
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	रामटेक, (महाराष्ट्र) ०९-०७-२००४
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
		कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ आगतमति माता जी

न्यायालय में न्याय ना, न्यायशास्त्र में न्याय।
झूठ छूटता, सत्य पर, टूट पड़े अन्याय।।५५।।

आर्यिका श्री १०५ आगतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी विनीता दीदी
पिता का नाम	:	श्री नन्हूराम जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती केसरबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुरेश २. श्री मुन्ना ३. श्री राकेश ४.श्रीमती अनीता ५. श्री अरविन्द ६.श्रीमती किरण ७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१४-०७-१९७६, बुधवार श्रावण कृष्ण ३ वि.सं. २०३३ गढ़ाकोटा, जिला-सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.एस.सी. (फिजिक्स), एम.ए. (संस्कृत) पी.जी.डी.सी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-०१-२००३, सागर (म.प्र.) आजीवन व्रत
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	रामटेक, ०९-०७-२००४
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

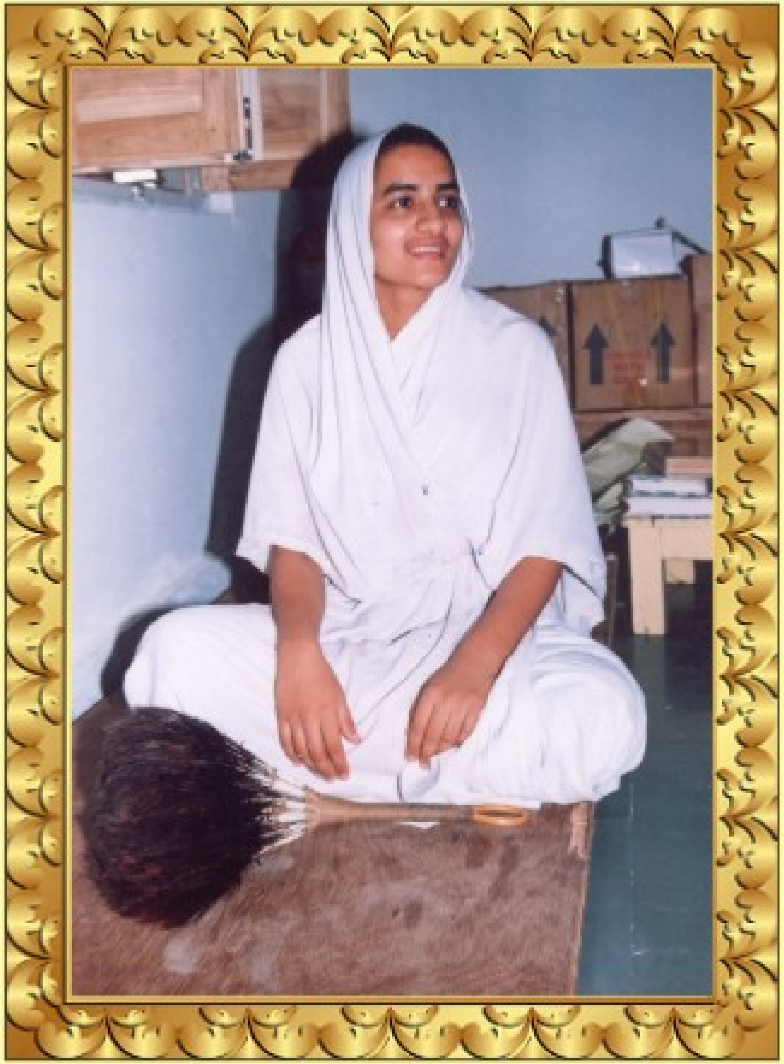

आर्यिका श्री १०५ श्रुतमति माता जी

निर्धनता वरदान है, अधिक धनिकता पाप।
सत्य तथ्य की खोज में, निर्गुणता अभिशाप।। ६२।।

आर्यिका श्री १०५ श्रुतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी जूली दीदी
पिता का नाम	:	श्री ज्ञानचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती अल्पना २. बा.ब्र. प्रदीप जी (वर्तमान में मुनि अचलसागर जी) ३. आपका क्रम ४. श्री आलोक
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१५-०७-१९७८, शनिवार आषाढ़ शुक्ल १० वि.सं. २०३५ बहेरिया जिला-सागर, (म.प्र.) (बाद में रामपुरा सागर में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.एस.सी. (मानव शास्त्र), एम.ए. (संस्कृत)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२९-०५-१९९८, भाग्योदय तीर्थ, सागर (म.प्र.) १८-०५-२००४, रामटेक (महाराष्ट्र)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	२ प्रतिमा सन् २००४ में 'दयोदय तीर्थ' जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भाई मुनि श्री १०८ अचलसागर जी हैं एवं आप दोनों एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ अदूरमति माता जी

धोओ मन को धो सको, तन को धोना व्यर्थ।
खोओ गुण में खो सको, धन में खोना व्यर्थ।। ७५।।

आर्यिका श्री १०५ अदूरमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी साधना दीदी
पिता का नाम	:	श्री मिट्ठनलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती समुद्री बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री धन्यकुमार २. श्री आनंद ३. श्रीमती राशि ४.श्रीमती अनीता ५. आपका क्रम ६. सुशीला
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१५-०७-१९६३, सोमवार श्रावण कृष्ण ९ वि.सं. २०२० शहपुरा (भिटौनी) जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (अर्थशास्त्र), बी.एड.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२६-१०-१९८८ मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, तिलवारा, जबलपुर, (म.प्र.) ०२-११-२००१
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ स्वभावमति माता जी

आप अधर में भी अधर, आप स्ववश हो देव।
मुझे अधर में लो उठा, परवश हूँ, दुर्दैव।।

आर्यिका श्री १०५ स्वभावमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुनीता दीदी
पिता का नाम	:	श्री राजाराम जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चिरोंजा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुरेन्द्र १. बा.ब्र. प्रवीण (वर्तमान में मुनि समतासागर जी) ३. श्रीमती माया ४. बा.ब्र. ममता जी (आर्यिका संयममति जी) ५. आपका क्रम ६. बा.ब्र. बबीता जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०७-०८-१९७०, शुक्रवार श्रावण शुक्ल ५ वि.सं. २०२७ (नागपंचमी) नन्हीं देवरी जिला-सागर(म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	ग्यारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७, नैनागिरी जी तीर्थ सागर (म.प्र.) २०००, भाग्योदय (सागर)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, अमरकंटक (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भाई मुनि श्री १०८ समतासागर जी एवं बहिन आर्यिका संयममति माता जी है। आप तीनों एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ धवलमति माता जी

तन-मन से औ वचन, पर का कर उपकार।
नीति रीति तू पाल ले, शाश्वत शिव उपहार।।

आर्यिका श्री १०५ धवलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सरिता दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री नेमिचंद्र जी फट्टा
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती लक्ष्मी जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री महेन्द्र जी २. श्री देवेन्द्र जी ३. श्रीमती अनीता ४. श्रीमती ममता ५. श्रीमती अर्चना ६.बा.ब्र. शिरोमणी दीदी (वर्तमान में आर्यिका श्री सहजमति माता जी) ७. श्री मनीष ८. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०१-०१-१९७६,पौष कृष्ण अमावस्या वि.सं. २०३२ पथरिया, जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-१०-१९९७, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.) कुण्डलपुर (आजीवन व्रत)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	कुण्डलपुर, दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री १०५ सहजमति माता जी है जो आपके ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ विनयमति माता जी

प्रतिदिन दिनकर दिन करे, फिर भी दुर्दिन आय।
दिवस रात या रात दिन, करनी का फल पाय।। १३।।

आर्यिका श्री १०५ विनयमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी आकांक्षा दीदी
पिता का नाम	:	श्री प्रेमचंद जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चंदा बाई जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री इन्द्राज २. श्रीमती सुनिता ३. श्रीमती साधना ४. श्री प्रदीप ५. श्री सुनील ६. मनीष ७. आपका क्रम ८. आराधना
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१५-०८-१९७८, मंगलवार, श्रावण शुक्ल ८ वि.सं. २०३५ शाहपुर, गनेशगंज सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२९-११-१९९८, रविवार भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ तपोमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ समितिमति माता जी

स्वर्गों में ना भेजते, पटके ना पाताल।
हम तुम सबको जानकर, प्रभु तो जाननहार।।

आर्यिका श्री १०५ समितिमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सपना दीदी
पिता का नाम	:	श्री खूबचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मालती बाई जी
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती अल्पना २. श्री राजेश
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम ४. श्री महेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२४-०९-१९७८, बुधवार आश्विन कृष्ण ११
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०३७ मझगुंवा, शाहपुर जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (इतिहास)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०६-०६-२००५, कुण्डलपुर (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं.२०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अमितमति माता जी

भूल नहीं पर भूलना, शिव पथ में बरदान।
नदी भूल गिरि को करे, सागर का संधान।। १९।।

आर्यिका श्री १०५ अमितमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी साधना दीदी
पिता का नाम	:	श्री लालचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रभारानी जी
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमति सरोज २. श्री प्रमोद ३. श्रीमती संध्या
(जन्म के क्रम से)		४. आपका क्रम ५. राजेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०१-०१-१९७२, शनिवार माघ कृष्ण १
दिन/स्थान/समय		वि.सं. २०२८ जिला दमोह, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९९२, कुण्डलपुर, (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		(आजीवन व्रत)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, कुण्डलपुर,दमोह, (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ परममति माता जी

कटुक मधुर गुरूवचन भी भविक चित्त हुलसाय।
तरूण अरूण की किरण भी सहज कमल विकसाय।। ५६।।

आर्यिका श्री १०५ परममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सरिता दीदी
पिता का नाम	:	श्री सनत कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुमन जी
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री संजीव २. श्री सुदीप
(जन्म के क्रम से)		३. श्रीमती सपना ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१७-०४-१९८२, शनिवार वैशाख कृष्ण ८
दिन/स्थान/समय		वि.सं. २०३९, कर्रापुर, सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (अर्थशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९९६, कुण्डलपुर (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	१४-०२-२००६ गुरुवार
		बण्डा जिला-सागर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
		कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ उपशांत मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ चेतनमति माता जी

सत्ता का सातत्य सो, सत्य रहा है, तथ्य।
सत्ता का आश्रय रहा, शिव पथ में है पथ्य।।५७।।

आर्यिका श्री १०५ चेतनमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी प्रियंका दीदी
पिता का नाम	:	श्री निर्मल चंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शकुन जी
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमति सुमन २. नितिन कुमार
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१६-०६-१९८६, शुक्रवार ज्येष्ठ कृष्ण १४
दिन/स्थान/समय		वि.सं. २०४३ सांगा, जिला दमोह, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (इलेक्ट्रानिक्स)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१६-०७-२००५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		बीना बारहा जी, सागर, (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ उपशांत मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ निसर्गमति माता जी

खेल सके तो खेल लो, एक अनोखा खेल।
आप खिलाड़ी आप ही, बनो खिलौना, ।। १० ।।

आर्यिका श्री १०५ निसर्गमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी निशा दीदी (पिंकी)
पिता का नाम	:	स्व. श्री पुष्पेन्द्र कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शकुन्तला जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. मनोज २. श्रीमति मधु ३. श्रीमती ऊषा ४. आपका क्रम ५. कु. इन्दु
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२८-०७-१९७५, सोमवार श्रावण शुक्ल ०२ वि.सं. २०३२ रात्रि ११:३० गंगवरिया तह. नागौद, जिला - सतना, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (बायोलॉजी) एम.ए. हिन्दी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०३-०३-२००० विदिशा (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ मननमति माता जी

अमर उमर भर भ्रमर बन, जिन पद में हो लीन।
उ पद में पद चाह बिन, बनने नमूँ नवीन।।

आर्यिका श्री १०५ मननमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी निधि दीदी
पिता का नाम	:	श्री नरेन्द्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती ममता जी
भाई-बहिन के नाम	:	१. आपका क्रम २. नेहा
(जन्म के क्रम से)		३. श्री नवीन
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२८-०३-१९८२ ,रविवार चैत्र शुक्ल ३
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०३९ राँझी, जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम., एम.ए. (संस्कृत)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२२-०२-२०००, करेली (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०६२, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
		कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ चारित्रमति माता जी

वेग बढ़े इस बुद्धि में, नहीं बढ़े आवेग।
कष्टदायिनी बुद्धि है, जिसमें जा संवेग।। ६७।।

आर्यिका श्री १०५ चारित्रमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी स्वाति दीदी
पिता का नाम	:	श्री ज्ञानचंद्र जी जैन (बजाज)
माता का नाम	:	श्रीमती चंपा बाई जी (बजाज)
भाई-बहिन के नाम	:	१.श्रीमती सुनीता २. मनोज ३. राकेश
(जन्म के क्रम से)		४. राजेश ५. राजीव
		६. आपका क्रम ७. राहुल
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१६-०१-१९७९, मंगलवार माघ कृष्ण ८
दिन/स्थान/समय		वि.सं. २०३५ जैसीनगर जिला सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी), एम.ए. (संस्कृत प्रिवियस)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०८-१०-२००४, तिलवारा
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		जिला-जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
		कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ ऋजुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ श्रद्धामति माता जी

क्षेत्र काल के विषय में, आगे पीछे और।
ऊपर नीचे देखता, और दिखे न छोर ।।

आर्यिका श्री १०५ श्रद्धामति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ज्योति दीदी
पिता का नाम	:	श्री जयकुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती राजमति जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.श्रीमती प्रतिभा २.श्रीमती रश्मि
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम ४. श्रीमती रोशनी
		५.राजेश
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२८-०४-१९८२, बुधवार वैशाख शुक्ल ५ वि.सं.
दिन/स्थान/समय		२०३९ जैसीनगर जिला सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (संस्कृत) प्रीवियस
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२७-१२-२००५ कुण्डलपुर दमोह (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
		कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ ऋजुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उत्कर्षमति माता जी

पुण्य कर्म अनुभाग को, नहीं घटाता भव्य।
मोह कर्म की निर्जरा, करना है कर्तव्य।। ९२।।

आर्यिका श्री १०५ उत्कर्षमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सरिता दीदी
पिता का नाम	:	श्री देवचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती रेशम जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. सतीश २. आपका क्रम ३. ब्र. अनीता ४. नीतेश ५. रंजीता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	११-०६-१९८०, बुधवार द्वितीय ज्येष्ठ कृष्ण १३ वि.सं. २०३६ जैतपुर कोपरा, देवरी, सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी.(गणित)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२०००, बीना बारह, सागर (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		१७-०३-२००५ बीना बारह, देवरी सागर, (म.प्र.) (आजीवन व्रत)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ ऋजुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ संगतमति माता जी

ज्योर्तिमुख को नित नमूँ, छूटे भव-भव जेल।
सत्ता मुझको मम दिखे, ज्योति-ज्योति का मेल।। ३६।।

आर्यिका श्री १०५ संगतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	ब्रह्मचारिणी सूर्यकुमारी (दीदी)
पिता का नाम	:	श्री अपौंडे राज जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गांधर्व मति जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री उदयन कुमार २. आपका क्रम ३. चन्द्रा ४. इन्द्रा ५. श्री पृथ्वीराज
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१०-१०-१९४५, बुधवार आश्विन शुक्ल ४ वि.सं. २००२ काँचीपुरम् (तमिलनाडु)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	नवमीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८०, पुन्नूरमलई, (तमिलनाडु)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	१९९९, पुन्नूरमलई, तमिलनाडु
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ तपोमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ लक्ष्यमति माता जी

जब भी मुझे गम की धूप में झुलसता पाते है।
गुरू बन के घट आकाश पे छा जाते है।।

आर्यिका श्री १०५ लक्ष्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	ब्रह्मचारिणी सुशीला बाई जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री हजारी लाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती पूना बाई जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती गजरा बाई　२. श्री शीलचंद्र　३.आपका क्रम　४. श्री लक्ष्मीचंद्र
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१३-०१-१९४१, सोम पौष शुक्ल पूर्णिमा वि.सं १९९८ ललितपुर (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	पाँचवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७, ललितपुर (उ.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	२ प्रतिमा गंजपंथा (महाराष्ट्र) आचार्य सुमतिसागर जी से
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ तपोमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ भक्तिमति माता जी

रग-रग में करुणा भरे, दुःखी जनों को देख।
विश्व सौख्य में अनुभवूँ, स्वार्थ सिद्धि की रेख।। ४१ ।।

आर्यिका श्री १०५ भक्तिमति माता जी

पूर्व का नाम	:	ब्रह्मचारिणी प्रभा सिंघई
पिता का नाम	:	श्री सेठ हीरालाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती फूला बाई जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्रीमति क्रांति ३. श्रीमति सरोज ४. श्रीमति सुशीला ५. श्रीमती विनोद ६. श्रीमती सुधा ७. ब्र. हेमलता (आर्यिका श्री प्रभावनामति माता जी) ९. श्री राकेश ९. ब्र.राजुल (भावना मति माता जी) १०. श्री सुनील ११. श्रीमति अँतिम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२२-०१-१९४६, माघवदी ६, वि.सं.२००२ पिठौरिया, तह.खुरई (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (अर्थशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	पति-पत्नि दोनों ने स्वयं
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, जबलपुर चातुर्मास २००४
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ प्रभावना मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री १०५ भावनामति, श्री १०५ प्रभावनामति, आर्यिका श्री १०५ भक्तिमति माता जी तीनों गृहस्थ जीवन की बहिनें हैं एवं आप तीनों एक ही गुरू से दीक्षित हैं।

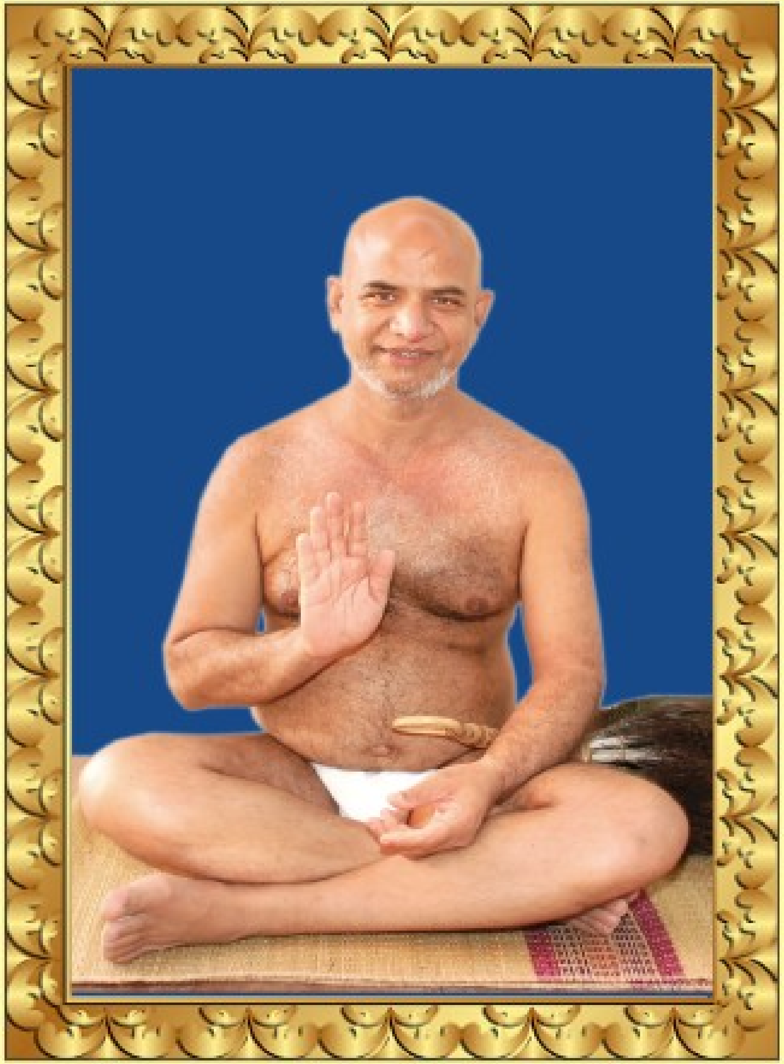

समाधिस्थ एलक श्री १०५ नि:शंकसागर जी महाराज

हजारों रोज जन्मते हैं, हजारों ही वे मरते है।
कोई-कोई ही यहाँ आकर के, अच्छा काम करते है।।

समाधिस्थ एलक श्री १०५ नि:शंकसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. महेश जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री राजधरलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती ज्ञानीदेवी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुरेश चंद जी २. श्रीमती चंदा जैन ३. श्रीमती कल्पना जैन ४. आपका क्रम ५. श्री कमलेश जी ६. बा.ब्र. मुन्नी जैन
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	११-०८-१९६२ शनिवार (रक्षाबंधन) श्रावण शुक्ल 15 वि.सं. २०१९ बंडा (बेलई) जिला-सागर
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८१, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरि जी जिला- छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८३ प्रथम फाल्गुन कृष्ण १३ गुरूवार वि.सं. २०३९,सम्मेद शिखर जी (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी एलक दीक्षा हुई है।
समाधि	:	१६-१२-२०१४,सोमवार पौष कृष्ण ९ वि.सं. २०७१ रात्रि २ बजे लगभग बंगला चौराहा, मुँगावली जिला-अशोकनगर (म.प्र.)

एलक श्री १०५ दयासागर जी महाराज

धुन के पक्के कर्मठ मानव, जिस पथ पर बढ़ जाते हैं।
एक बार तो नरक को भी स्वर्ग बना दिखलाते हैं।।

एलक श्री १०५ दयासागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. सतीश जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री प्रभा चन्द्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती विमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. बा.ब्र. सुमन दीदी (वर्तमान में आर्यिका श्री गुरूमति माता जी) २. आपका क्रम ३. श्री सुशील ४. श्री सुरेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	३०-१२-१९५७, सोमवार पौष शुक्ल ९ वि.सं. २०१४ खटौरा (कला) (बाद में बण्डा में निवास) जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९७८, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिर जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८३, गुरुवार फाल्गुन कृष्ण १३ वि.सं. २०३९ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखर जी मधुवन, जिला-गिरडीह (बिहार)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी है, जो आपके गुरू से ही दीक्षित है।

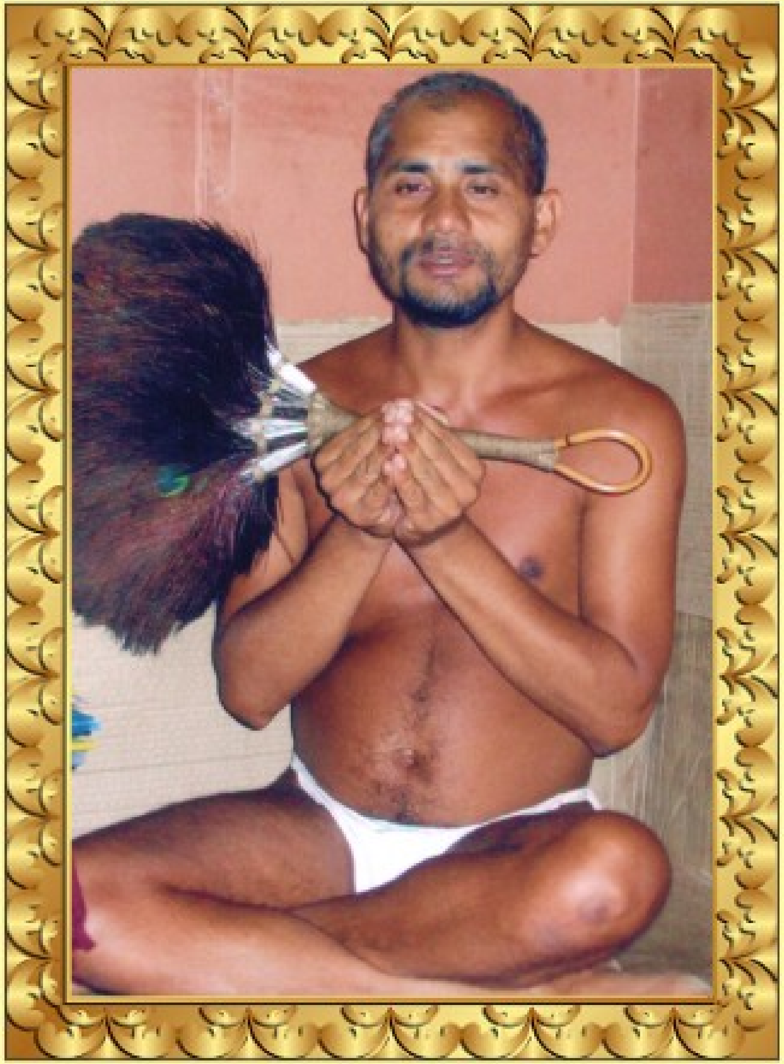

एलक श्री १०५ निश्चयसागर जी महाराज

खेती पाती विनती, परमेश्वर को जाप।
पर हाथों कीजै नहीं, आपों पाप।।

एलक श्री १०५ निश्चयसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. ऋषभ कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री उत्तमचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सूरज देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुनील २. श्रीमती अंजना ३. आपका क्रम ४. श्रीमती मीना ५. श्री राजेश
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२५-०८-१९६२ शनिवार, भाद्रपद कृष्ण ११ वि.सं. २०१९ जैसीनगर जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०२-१९८५, सोमवार बीना जिला-सागर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८७, माघ शुक्ल १२ वि.सं. २०४३ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-०७-१९९८ आषाढ़ शुक्ल १४ वि.सं. २०४४ मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	मुनि श्री १०८ समतासागर जी महाराज आपके गृहस्थ जीवन के मौसी के लड़के है और आपके ही गुरू से दीक्षित है।

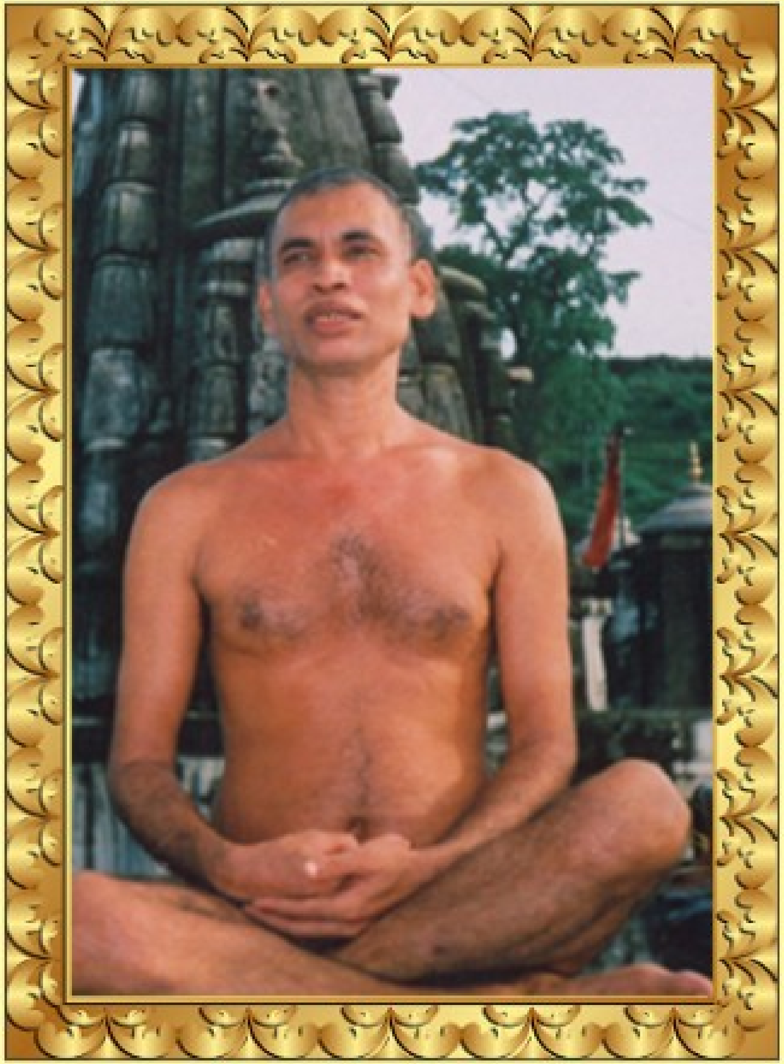

एलक श्री १०५ सिद्धांतसागर जी महाराज

पर वाह नहीं अगर जमाना खिलाफ हो।
रास्ता वही चलेगा जो नेक और साफ हो।।

एलक श्री १०५ सिद्धांतसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. सुमन कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री गुलजारी लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शीला देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री कस्तूरचंद जी २. श्री आपका क्रम ३. श्रीमती लीलावती
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-१९५८ गुरुवार, द्वितीय श्रावण कृष्ण १४ वि.सं. २०१५ गढ़ाकोटा, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-०३-१९७८, मंगलवार पटेरिया जी, गढ़ाकोटा जिला-सागर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०५-१९९१,गुरुवार वैशाख शुक्ल ३, वि.सं. २०४८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०७-१९९१, आषाढ़ शुक्ल १४ वि.सं. २०४८
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

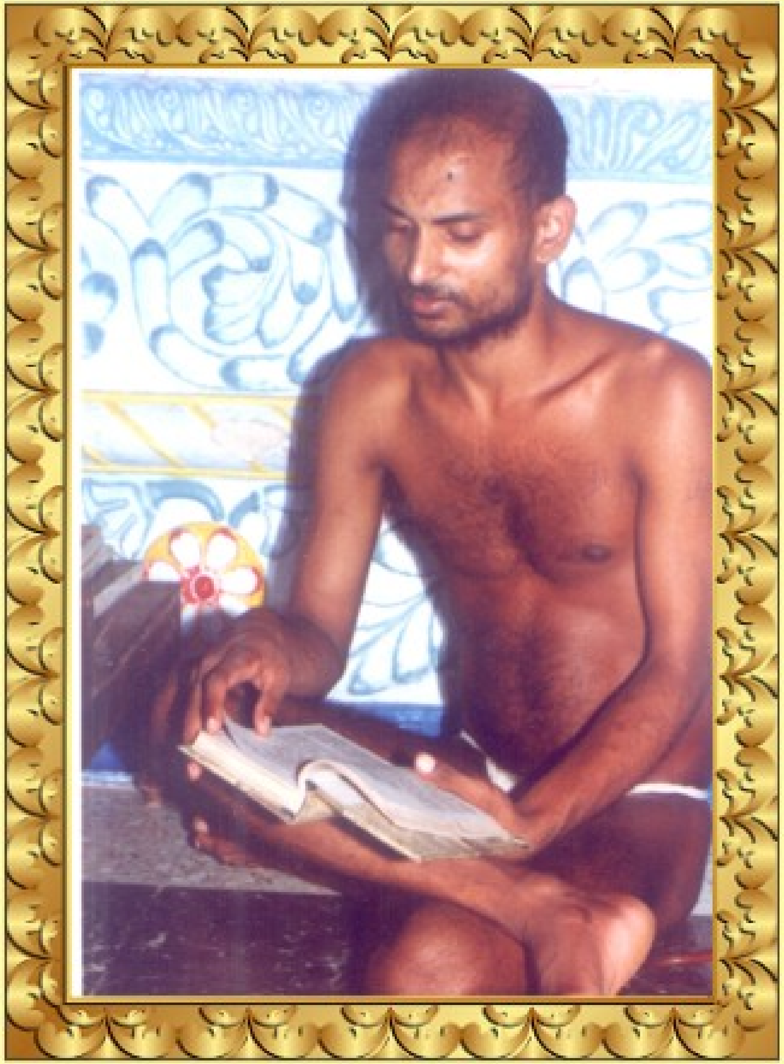

एलक श्री १०५ संपूर्णसागर जी महाराज

जिंदगी के वास्ते कोई रोग लगा ले।
जिंदगी कटती नहीं सेहत के सहारे।।

एलक श्री १०५ संपूर्णसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. राजेश कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री शीतलचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सतेन्द्र जी २. श्री सुदर्शन जी ३. ब्र. सुषमा दीदी ४. ब्र. सुभाषिनी जी ५. बा.ब्र. अर्चना (वर्तमान में आ. श्री विलक्षणा मति माता जी) ६. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१२-०६-१९६६ रविवार, आषाढ़ कृष्ण ९ वि.सं. २०२३ टड़ा, (बाद में सागर में निवास) जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८३, (ईसरी) बिहार (झारखंड)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०५-१९९१,गुरुवार, वैशाख शुक्ल ३, (अक्षय तृतीया) वि.सं. २०४८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०७-१९९१, आषाढ़ शुक्ल १४, वि.सं. २०४८, गुरूवार, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री१०५ विलक्षणामति माताजी हैं जो आपके गुरू से ही दीक्षित है।

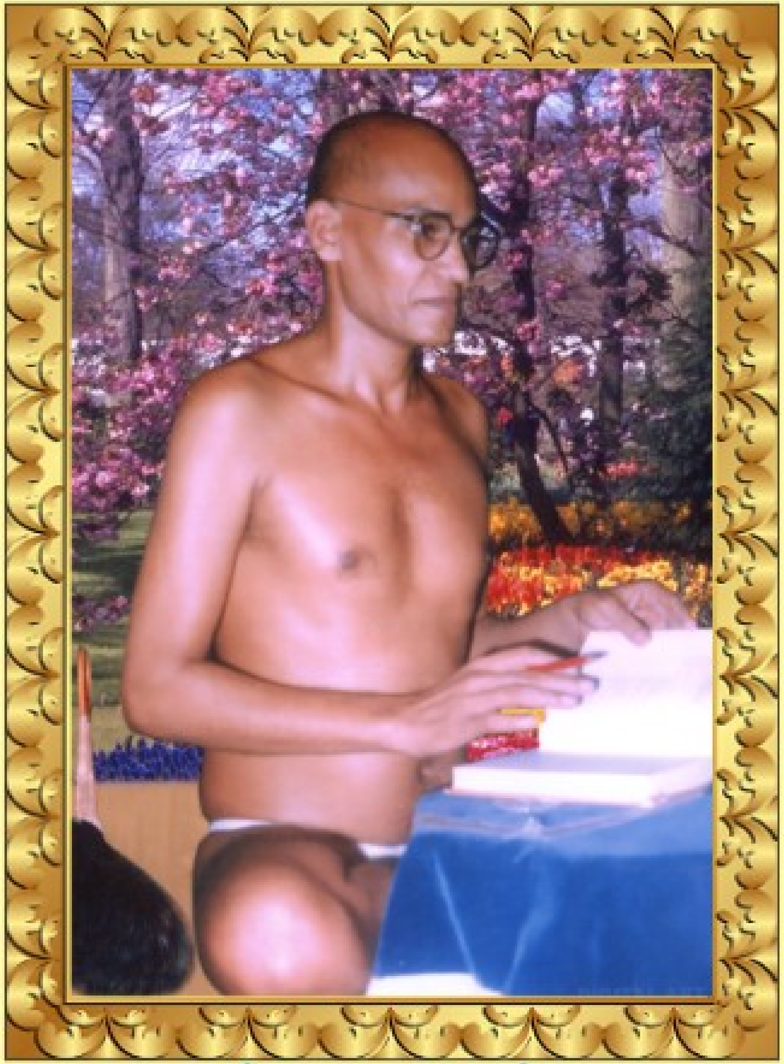

एलक श्री १०५ नम्रसागर जी महाराज

एक अक्षर यदि ज्ञान का, जो गुरू देय बताय।
दुनिया में कोई वस्तु नहीं, जो देकर चुक जाए।।

एलक श्री १०५ नम्रसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. अजय कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती केतकी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री दुलीचंद २. श्री विजय ३. आपका क्रम ४. श्री राजेश ५. श्री संदीप ६. श्रीमती राजकुमारी ७. श्रीमती राजमति ८. श्रीमती मीना ९. श्रीमती लाला
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२४-०९-१९६९, बुधवार, भाद्र शुक्ल १४, वि.सं. २०२६ धनौरा, जिला-सिवनी (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०७-१९९१, घंसौर, जिला-सिवनी में (मुनि श्री १०८ सरल सागर जी से)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०७-१९९१, गुरुवार आषाढ़ शुक्ल १४ वि.सं. २०४८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	१२-०७-१९९४, आषाढ़ शुक्ल १४, वि.सं.२०५१,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक, नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

समाधिस्थ एलक श्री १०५ आनंदसागर जी महाराज

देव दृष्टि आधार हैं, शास्त्र बोध आगार।
गुरूसमुद्र पतवार हैं, जग जन तारणहार।।

समाधिस्थ एलक श्री १०५ आनंदसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	ब्र. गोरेलाल जी जैन
पिता का नाम	:	श्री चतुर्भुज प्रसाद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी बाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री ३. श्री
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१९६८ भाद्रपद शुक्ल १४ वि.सं. तारई जिला-गुना वर्तमान में अशोक नगर
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	तीसरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०४-१९९९ मंगलवार, चैत्र कृष्ण ८ वि.सं. २०५३ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट जिला खरगोन (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	१३-०४-१९९७ रविवार, चैत्र शुक्ल ६ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट जिला खरगोन (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य १०८ श्री विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	२१-०४-१९९७ मंगलवार, चैत्र शुक्ल चतुर्दशी वि.सं. २०५४ रात्रि १०:२५ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट जिला खरगोन (म.प्र.)
विशेष	:	२१-०४-१९९७ को संलेखना में आचार्य श्री विद्यासागर जी एवं ८१ पिच्छीधारी साधु उपस्थित थे।

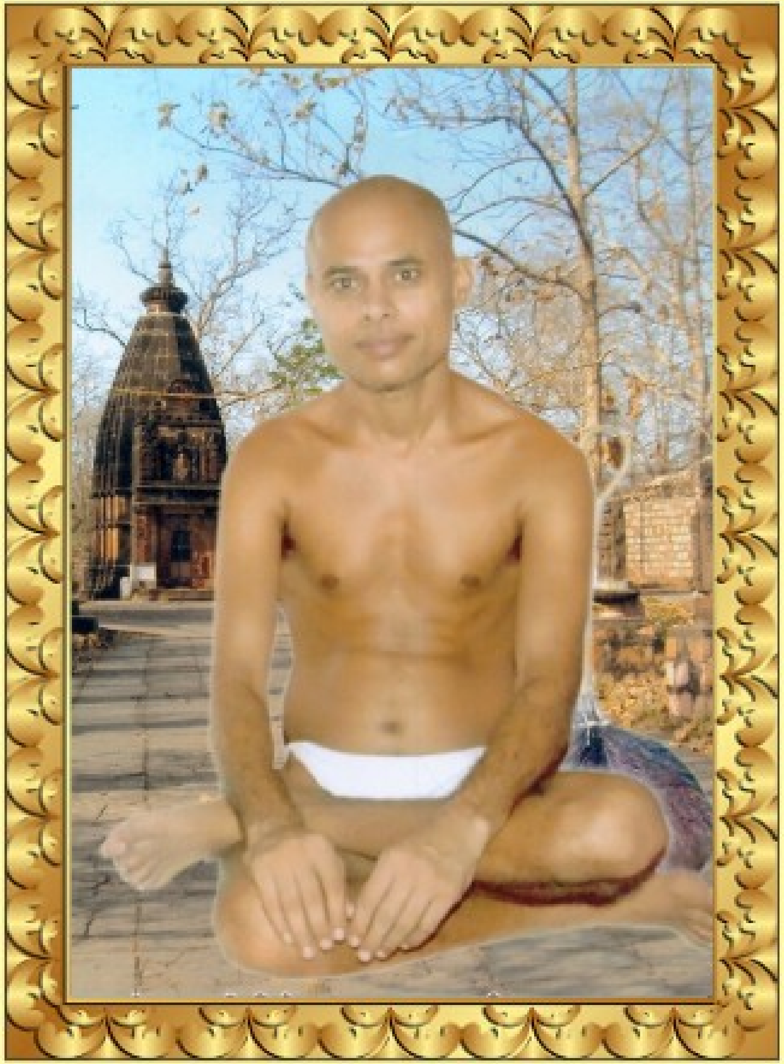

एलक श्री १०५ विवेकानंदसागर जी महाराज

गुरू से शिष्य की कौन सी बात अनजानी है ?
सागर को मालूम है बूँद में कितना पानी है ?

एलक श्री १०५ विवेकानंदसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. अरूण कुमार जी जैन (सिंघई)
पिता का नाम	:	श्री हुकुम चन्द्र जी जैन (सिंघई)
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन (सिंघई)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अनिल २. आपका क्रम ३. श्रीमती अनीता ४. श्री अमित ५. श्रीमती अर्चना ६. श्री आशीष ७. श्रीमती अनुभूति ८. श्री अखिलेश
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१७-०२-१९७१ बुधवार, फाल्गुन कृष्ण ७ वि.सं. २०२७ , मजंगुआ देवरी, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (द्वितीय वर्ष) गणित
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१५-०२-१९९३, श्री दिगम्बर अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी, जबलपुर में (मुनि श्री सरल सागर जी से)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०२-१९९७, शनिवार, माघ शुक्ल १५ वि.सं. २०५३, पटना, बुजुर्ग रहली, जिला-सागर (म.प्र.)
दीक्षा गुरू	:	मुनि श्री सरल सागर जी महाराज
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०२-२००८,शुक्रवार, माघ शुक्ल ९, वि.सं. २०६४ पंचकल्याणक में, तप कल्याणक के दिन, गंज बासौदा जिला-विदिशा (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

एलक श्री १०५ उपशमसागर जी महाराज

शांति प्रभु की भक्ति ही, मम जीवन आधार।
युगों युगों तक में नहीं, भूलूगाँ उपकार॥

एलक श्री १०५ उपशमसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	सचिन बाबूराव गिताजे
पिता का नाम	:	श्री बाबूराव जिन्नपा गिताजे
माता का नाम	:	श्रीमती सुवर्णा बाबूराव गिताजे
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुकान्त जी २. श्रीमती मंगला जी ३. श्री संजय जी ४. श्रीमती सुरेखा जी ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०४-०४-१९८३ सोमवार, फाल्गुन कृष्ण ७, वि.सं. २०३९ प्रात: ८ बजे, आलास तहसील शिरोल जिला कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (इतिहास)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२६-०५-२०११, ज्येष्ठ कृष्ण ९
क्षुल्लक दीक्षा	:	१४-०२-२०१३, गुरुवार माघ शुक्ल ४ आलास तहसील शिरोल जिला कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	मुनि श्री १०८ अर्हदबलि जी महाराज
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०४-२०२१ चैत्र कृष्ण ११, बुधवार वी.नि.सं. २५४७ वि.सं. २०७७, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नेमावर तहसील खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
एलक दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपका क्षुल्लक अवस्था में श्री १०५ समताभूषण जी महाराज नाम था।

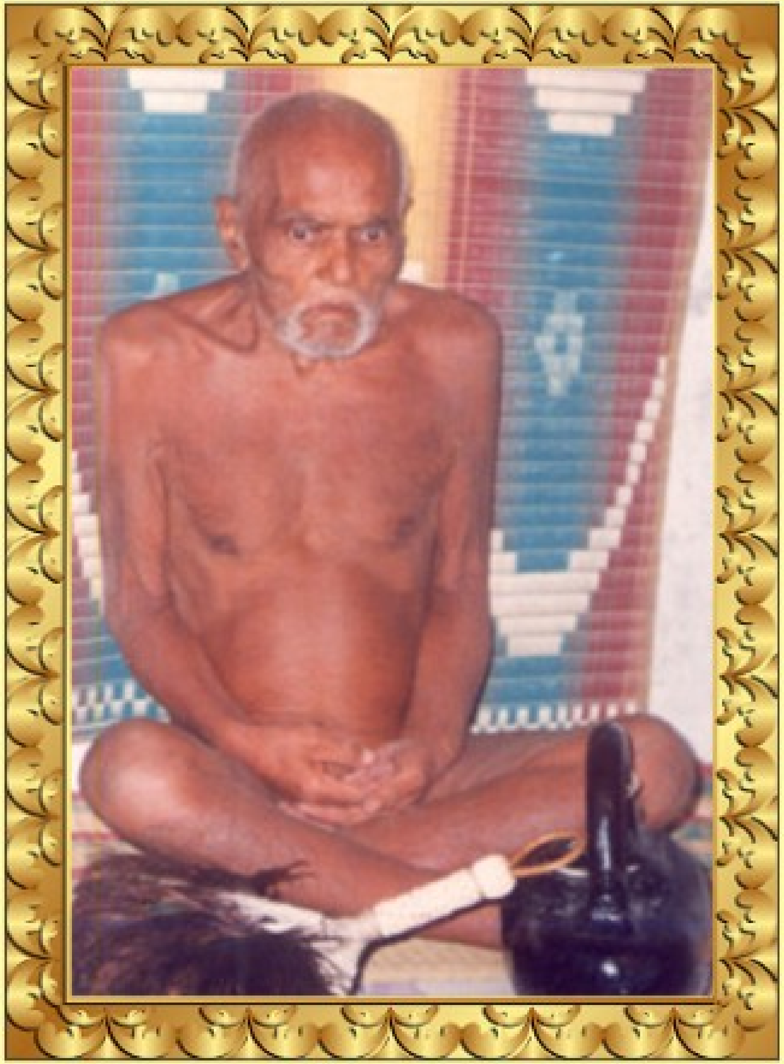

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ चारित्रसागर जी महाराज

देव शास्त्र गुरू पूज्य हमारे, रत्नत्रय आधार रहे।
भव सागर से पार उतरने, हमको दृढ़ पतवार रहे।।

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ चारित्रसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	श्री देवचंद जी जैन
पिता का नाम	:	श्री नन्हें लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती केशर बाई जी
भाई-बहिन के नाम	:	१. २. ३.
(जन्म के क्रम से)		४. ५. ६. ७.
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०१-०६-१९२०
दिन/ स्थान/समय		दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	चौथी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९७६
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
क्षुल्लक दीक्षा	:	०२-११-१९७६ मंगलवार कार्तिक शुक्ल ११
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०३३ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर जी (म.प्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	१७-१२-१९९६ मंगलवार मार्ग शीर्ष शुक्ल ८ वि.सं. २०५३ अलीगढ़ (उ.प्र.) १९९६

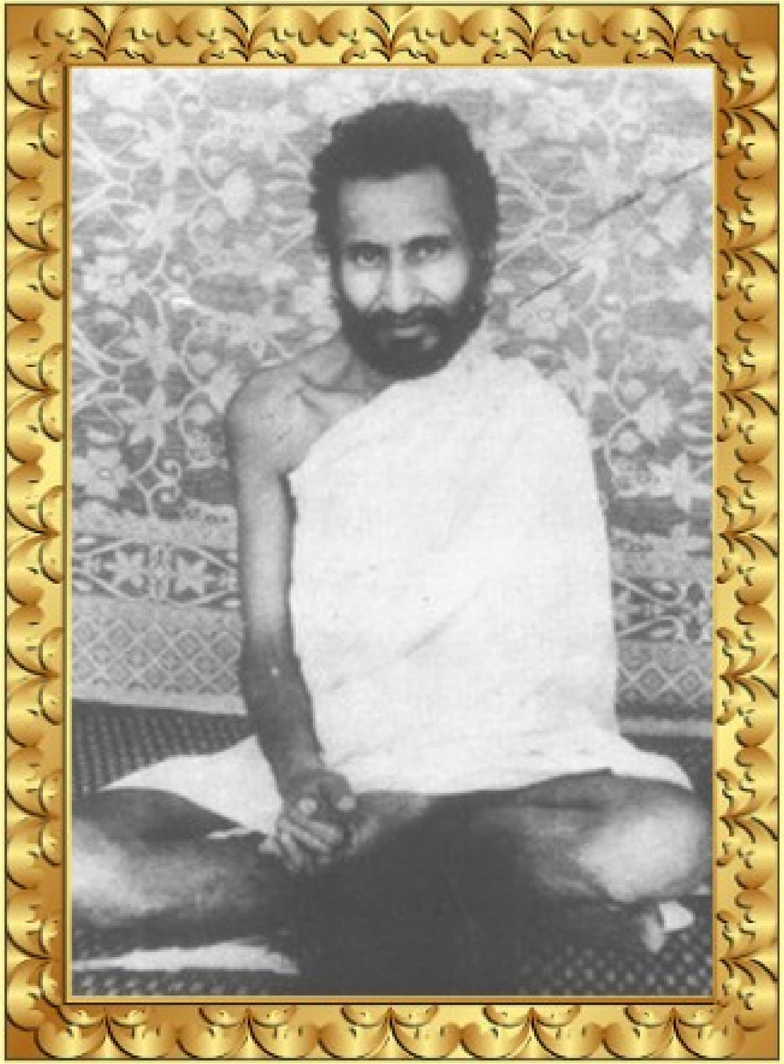

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ सिद्धांतसागर जी महाराज

हे जिन! तुम श्रद्धा से दर्शन, बोध आपके प्रवचन से।
सच्चारित मिला गुरूवर से, शिवपथ मिला आप त्रय से।।

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ सिद्धांतसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	श्री जिनेन्द्र कुमार जी जैन (वर्णी)
पिता का नाम	:	स्व. श्री जय भगवान जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती गुणमाला जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. २. ३.
(जन्म के क्रम से)		४. ५. ६. ७.
जन्म दिनांक/तिथि/	:	
दिन/ स्थान/समय		१४-०५-१९२२ रविवार
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	रेडियो इंजीनियरिंग डिप्लोमा
ब्रह्मचर्य व्रत	:	सन् १९५७
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
क्षुल्लक दीक्षा	:	२१-०४-१९८३, गुरुवार चैत्र शुक्ल ९ वि.सं. २०४०
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		ईसरी (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	२४-०५-१९८३ मंगलवार वैशाख शुक्ल १३ वि.सं. २०४० को ईसरी जिला-गिरिडीह (झारखंड) आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के सानिध्य में समाधि हुई।
विशेष	:	आपने जैनेन्द्र सिद्धांत कोष भाग १, २, ३, ४ एवं अन्य ग्रंथों का संकलन, संपादन किया था।
समाधि	:	(१७ अप्रैल १९८३ से संलेखना प्रारंभ हुई क्रमश. साधना करते हुये ३५-३६ दिन का समाधि काल रहा)

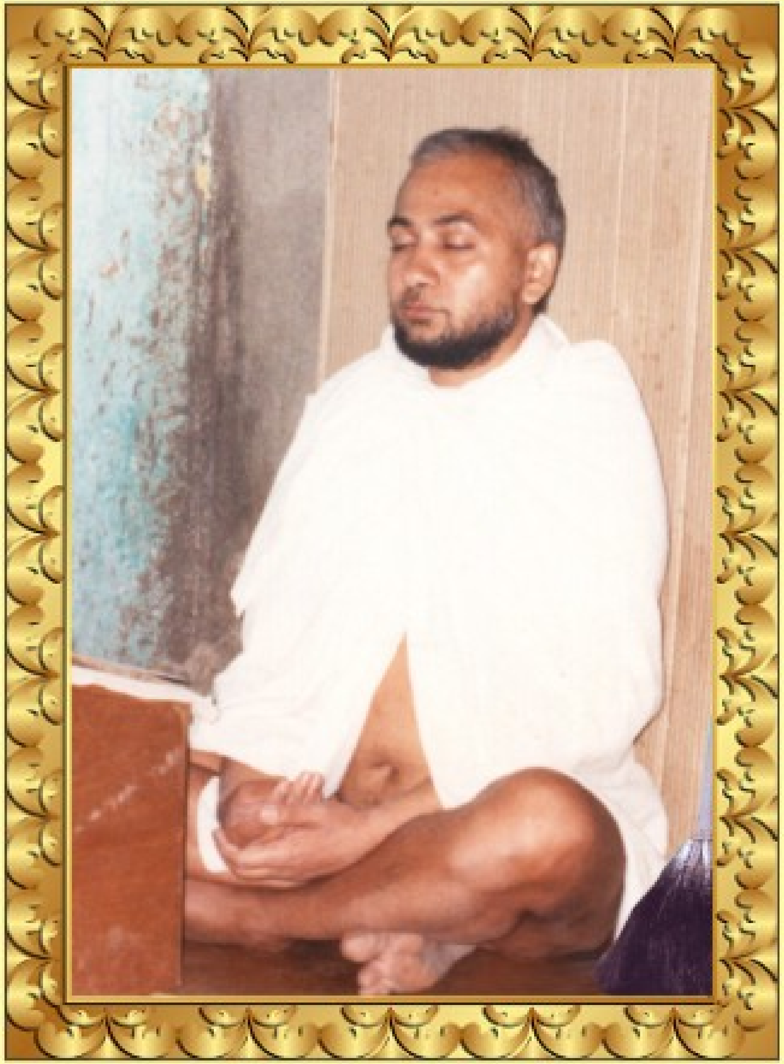

क्षुल्लक श्री १०५ ध्यानसागर जी महाराज

अंधा है, व्याकरण बिना बहिरा कोस विहीन।
लूला बिन साहित्य के, मूक तर्क से हीन।।

क्षुल्लक श्री १०५ ध्यानसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. प्रकाश चन्द्र जी पाण्डया
पिता का नाम	:	श्री प्रेमचन्द्र जी पाण्डया
माता का नाम	:	श्रीमती सावित्री देवी जी पाण्डया
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती भारती २. आपका क्रम ३. श्री अश्विनी
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	०९-०४-१९६२, सोमवार चैत्र शुक्ल ५ वि.सं. २०१५ भिलाई, दुर्ग (छ.ग.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.बी.बी.एस.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-११-१९८४, जबलपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०८-११-१९८५, शुक्रवार कार्तिक कृष्ण १० वि. सं. २०४२ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र अहार जी जिला- टीकमगढ़ (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

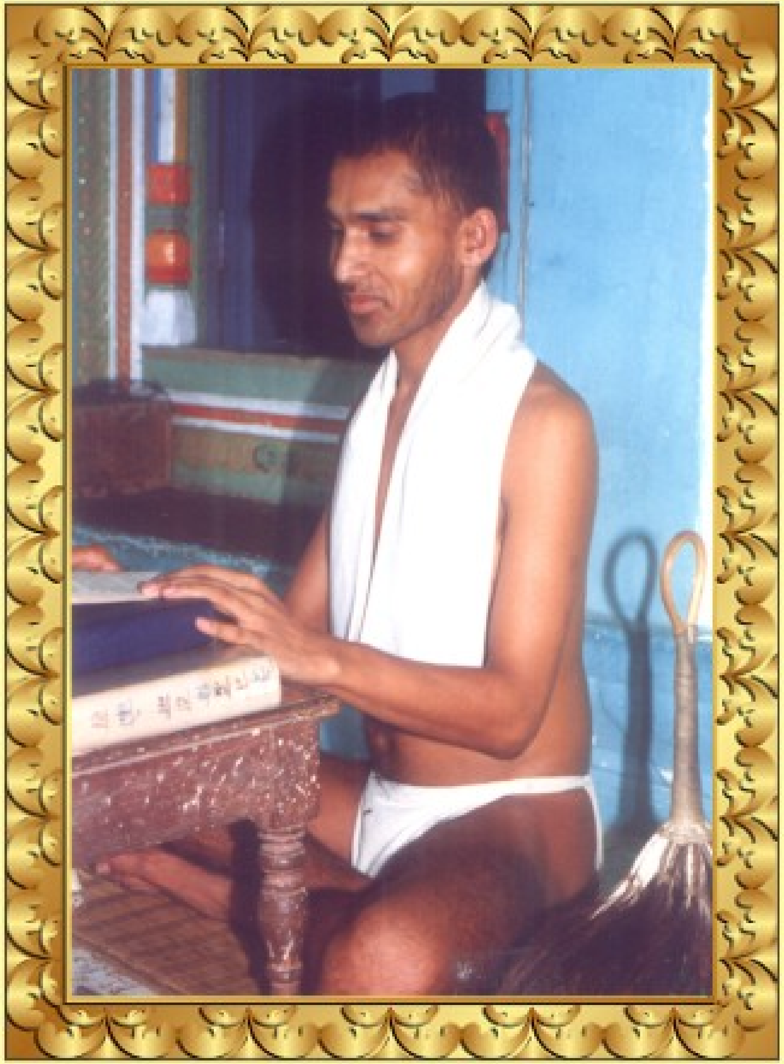

क्षुल्लक श्री १०५ नयसागर जी महाराज

मुझी में रहे मुझसे मस्तूर होकर।
बहुत पास निकले बहुत दूर होकर।।

क्षुल्लक श्री १०५ नयसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. जिनेन्द्र भैया जी जैन
पिता का नाम	:	श्री भैया लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती यशोदा देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री मुन्नालाल २. श्री कैलाशचन्द्र
(जन्म के क्रम से)		३. श्री प्रकाशचंद ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२३-१२-१९६५ रविवार, मार्ग शीर्ष कृष्ण
दिन/ स्थान/समय		बड़ागाँव (धसान) जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२५-११-१९८५, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		आहार जी, टीकमगढ़ (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१०-०२-१९८७, मंगलवार माघ शुक्ल १२, वि.सं. २०४३ वी.नि.सं. २५१३,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

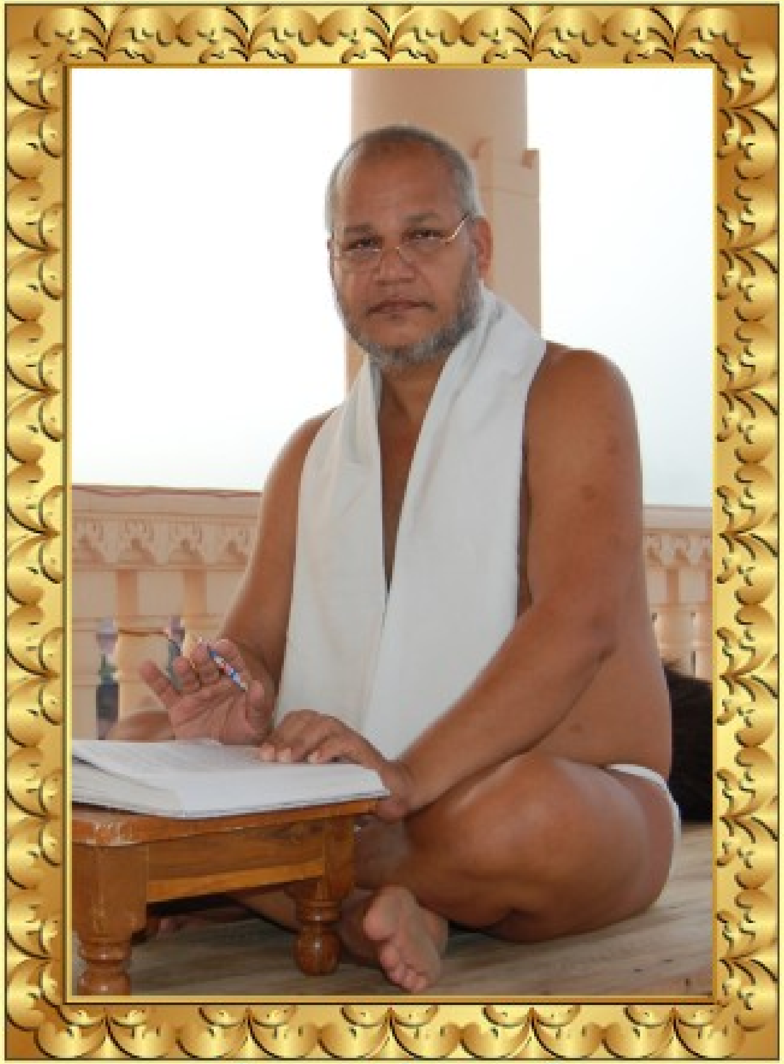

क्षुल्लक श्री १०५ गंभीरसागर जी महाराज

जिंदगी मिलती है, कुछ कर गुजरने के लिए।
मुस्कान मिलती है, बनकर बिखरने के लिए।।

क्षुल्लक श्री १०५ गंभीरसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. राकेश कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री कपूर चन्द्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कस्तूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती सुलोचना २. श्रीमती किरण
(जन्म के क्रम से)		३. श्री सुरेश ४. श्री महेश
		५. आपका क्रम ६. श्री दिनेश जैन
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१३ अगस्त १९६१, बुधवार भाद्रपद कृष्ण ५
दिन/ स्थान/समय		वि. सं. २०१८ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०१-०१-१९८४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		जबलपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१०-०२-१९८७, मंगलवार माघ शुक्ल १२,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०४३ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

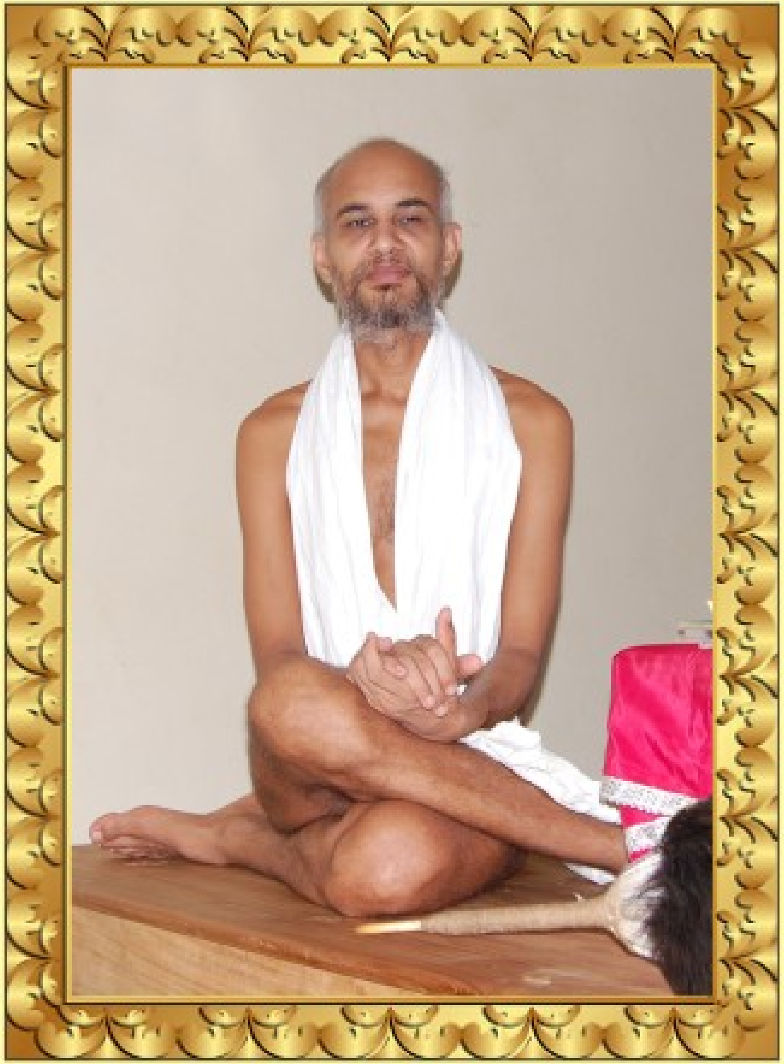

क्षुल्लक श्री १०५ धैर्यसागर जी महाराज

कोई तरस रहा उजियारे को, कोई सूरज बांधे सोता है।
ऐसा भी होता है, जग में ऐसा भी होता है।।

क्षुल्लक श्री १०५ धैर्यसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. संजय कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री प्रेमचन्द्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री राजीव जैन २. श्री संजीव जैन ३. श्री आपका क्रम ४. श्री राजेश जैन ५. श्रीमती रश्मि जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२२-११-१९६६ गुरुवार भाद्रपद शुक्ल ८ वि.सं. २०२३ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०१-१९८७ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी छतरपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८७, माघ शुक्ल १२, वि.सं. २०४३, मंगलवार, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप अच्छे चिंतक, प्रभावक है आपके मार्गदर्शन में विभिन्न ग्रंथों का साहितय का प्रकाशन, अनुष्ठान संपन्न हुये हैं।

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ धर्मसागर जी महाराज

वीतराग सर्वज्ञ हितंकर, सच्चे देव हमारे हैं।
चउतिस अतिशय प्रातिहार्य वसु, नंत चतुष्टय धारे हैं।।

समा. क्षुल्लक श्री १०५ धर्मसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	श्री धरमचंद जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री नाथूराम जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती फूलाबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. २. ३.
(जन्म के क्रम से)		४. ५. ६. ७.
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१९१८
दिन/ स्थान/समय		विनेका पाटन (बंडा) जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	चौथी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	मुनि श्री नेमीसागर जी से ७वीं प्रतिमा
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
क्षुल्लक दीक्षा	:	२३-०७-१९९४ शनिवार श्रावण कृष्ण ८ (वीर
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		शासन जयंती) वि.सं. २०५१ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	२९-०८-१९९४ सोमवार भाद्रपद कृष्ण ८ वि.सं. २०५१ सायं ७ बजे रामटेक जिला-नागपुर (महा.)
विशेष	:	(७६ वर्ष की उम्र में आपकी समाधि हुई)

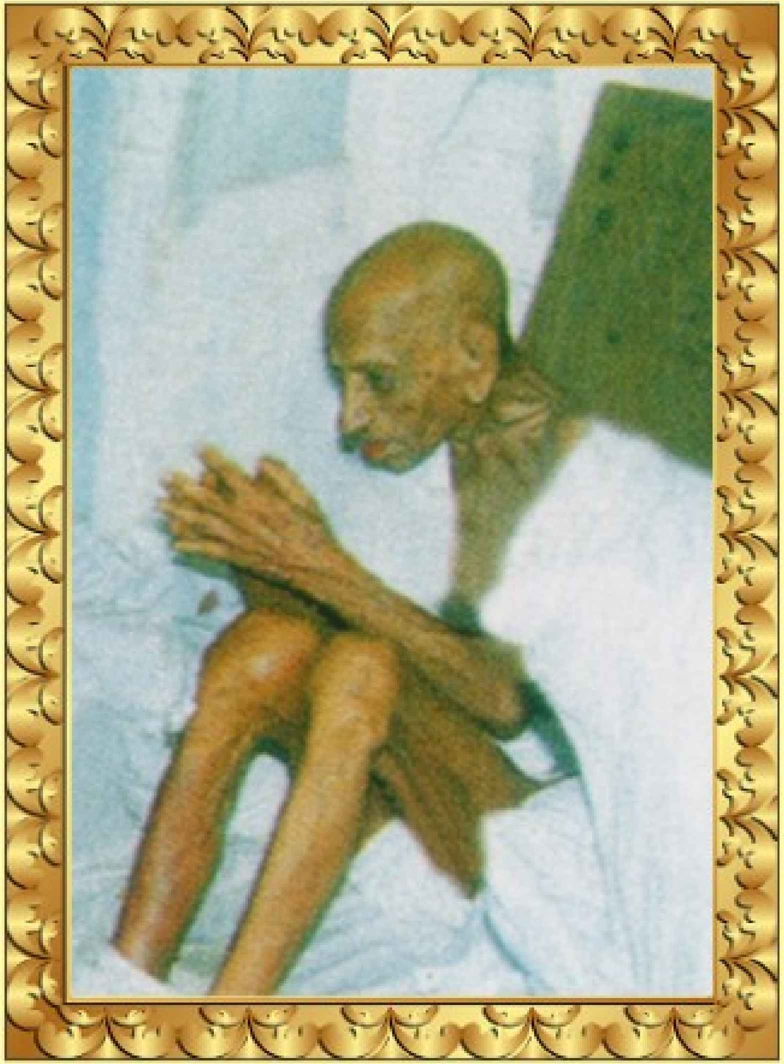

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ पुनीतसागर जी महाराज

अष्टदश दोषों को जीता, लोकालोक सभी जाना।
तीर्थंकर के छ्यालिस गुणसे, अनंतगुण किसविध गाना।।

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ पुनीतसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	श्री परसराम जी 'बाबाजी'
पिता का नाम	:	श्री धीरज सिंह जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्यारी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. २. ३.
(जन्म के क्रम से)		४. ५. ६. ७.
जन्म दिनांक/तिथि/	:	ई.सं. १८९९ वि.सं. १९५६
दिन/ स्थान/समय		खनिया धाना, जिला-शिवपुरी (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	पहली
ब्रह्मचर्य व्रत	:	
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
क्षुल्लक दीक्षा	:	२३-०९-१९९५ शनिवार आश्विन कृष्णा १४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०५२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ आचार्य श्री विद्यासागर जी
समाधि दिनांक/दिन	:	२६-०९-१९९५ अश्विन शुक्ल द्वितीया वि.सं.
तिथि/स्थान		२०५२ मंगलवार दोपहर १२:१९ बजे
समाधि स्थल	:	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी दमोह (म.प्र.)
विशेष	:	(९६ वर्ष की आयु में समाधि हुई, आपके २९ उपवास हुये १ से २७ अगस्त के बीच १० उपवास, १४ सितम्बर १९९५ को उपवास, १६ सितम्बर १९९९ को छाछ एवं जल के अतिरिक्त सभी प्रकार के आहार का त्याग)

समाधिस्थ क्षुल्लिका श्री १०५ संयमश्री माता जी

निज आतमा को साधते हैं, ज्ञान दर्शन चरित से।
वे साधु गिरने से बचाते, थामते व्रत त्वरित से।।

समाधिस्थ क्षुल्लिका श्री १०५ संयमश्री माता जी

पूर्व का नाम	:	श्री बेनीबाई जी
पिता का नाम	:	श्री
माता का नाम	:	(जगत मौसी)
भाई-बहिन के नाम	:	१. २. ३.
(जन्म के क्रम से)		४. ५. ६. ७.
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१९०५ में
दिन/ स्थान/समय		सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	
ब्रह्मचर्य व्रत	:	
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
क्षुल्लक दीक्षा	:	०८-११-१९८५ शुक्रवार कार्तिक शुक्ल दशमी
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०४२ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र अहार जी जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	०८-१२-१९५८ रविवार मार्ग शीर्ष कृष्ण एकादशी वि.सं. २०४२ रात्रि १२:१५ बजे
	:	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र, अहार जी जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
विशेष	:	(८० वर्ष की उम्र में समाधि हुई) (क्षुल्लिका दीक्षा के पूर्व आपने अन्न का त्याग कर दिया था सिर्फ जल आदि ही लेती रहीं ३ दिसम्बर १९८५ को चारों प्रकार के आहार का त्याग कर दिया था और ५ उपवास के साथ समाधि हुई)

समाधिस्थ क्षुल्लिका श्री १०५ आत्मश्री माता जी

जिन धर्म को जिसने धरा वह, उठ गया संसार से।
शाश्वत सुखी हो मुक्ति पायी, सर्वथा दुख क्षार से।।

समाधिस्थ क्षुल्लिका श्री १०५ आत्मश्री माता जी

पूर्व का नाम	:	ब्रह्मचारिणी रत्ती बाई जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री मुन्नालाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती सोना बाई जी जैन
पति का नाम	:	स्व. श्री दीपचंद जी जैन, रीवा (म.प्र.)
भाई-बहिन के नाम	:	१. २. ३.
(जन्म के क्रम से)		४. ५. ६. ७.
जन्म दिनांक/तिथि/	:	भाद्रपद शुक्ल १३ ई.सन् १९२१ वि.सं. १९७९
दिन/ स्थान/समय		सतना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
क्षुल्लिका दीक्षा	:	१६-०९-१९९१ गुरुवार प्रातः ६ बजे भाद्रपद शुक्ल ११ वि.सं. २०४८ (उत्तम तप धर्म)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, मुक्तागिरी जिला-बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	१९-०९-१९९१ गुरुवार भाद्रपद शुक्ल एकादशी वि.सं. २०४८ (उत्तम तप धर्म) प्रातः ११ बजे
	:	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र, मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
विशेष	:	७० वर्ष की उम्र में समाधि हुई।

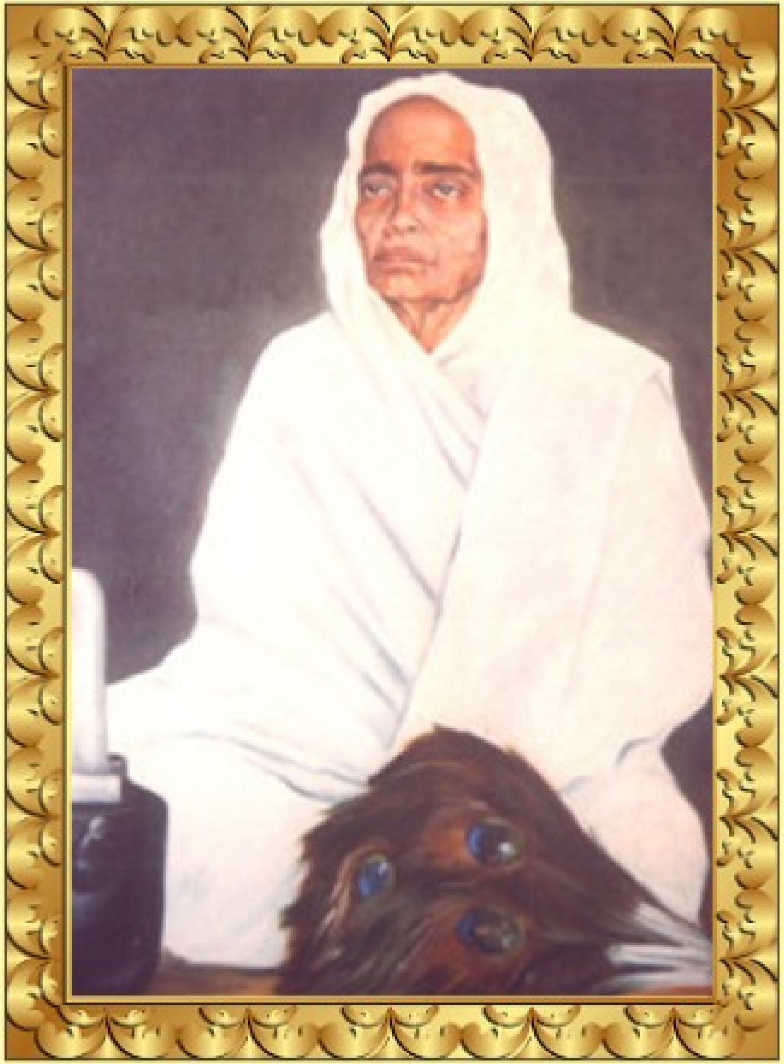

समाधिस्थ क्षुल्लिका श्री १०५ समाधिश्री माता जी

जिनवचन अमृत औषधी सम, मानकर जिसने पिये।
उसने विषय सुख कर विरेचित, आत्मसुख अपने किये।।

समाधिस्थ क्षुल्लिका श्री १०५ समाधिश्री माता जी

पूर्व का नाम	:	श्री दराखा बाई जी जैन (मेहता)
पिता का नाम	:	श्री सुखलाल जी जैन (मेहता)
माता का नाम	:	श्रीमती सुंदर बाई
भाई-बहिन के नाम	:	१. २. ३.
(जन्म के क्रम से)		४. ५. ६. ७.
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१९२०
दिन/ स्थान/समय		संतरामपुरा, पंचमहल, गोधरा (गुजरात)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	पांचवी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
क्षुल्लिका दीक्षा	:	२८-१२-१९९२ सोमवार पौष शुक्ल ४ वि.सं.
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		२०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य १०८ श्री विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	०६-०१-१९९३ बुधवार पौष शुक्ल १३ वि.सं. २०४९ को प्रात: १०:२० बजे श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
विशेष	:	(७४ वर्ष की उम्र में समाधि हुई आप जबलपुर ब्राह्मी विद्याश्रम की संचालिका रही, गुरू आज्ञा में रहकर करीब ३० दिन तक समाधि साधनारत रही आपकी समाधि के समय ११० पिच्छीधारी साधु उपस्थित थे)